MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 07 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-247

भरभराकर गिरी इमारत, 5 की मौत

मालिक समेत अन्य के खिलाफ एफआईआर, 15 लोग हिरासत में

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक इमारत भरभराकर गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। इमारत का इस्तेमाल पेइंग गेस्ट (पीजी) के तौर पर किया जा रहा था और इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के कई छात्र रह रहे थे। मामले में कथित मालिक हरिराम बंसल समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हादसे की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों ने हादसे के विरोध में नगर निगम (एमसीडी) के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान सिविक सेंटर स्थित एमसीडी कार्यालय में तोड़फोड़ किए जाने की भी सूचना है। प्रदर्शनकारियों ने एमसीडी आयुक्त के इस्तीफे की मांग की।

सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने के विरोध में करीब 150 से 200 एबीवीपी सदस्य सिविक सेंटर पर एकत्रित हुए और एमसीडी के खिलाफ नारेबाजी की। कुछ प्रदर्शनकारियों ने सिविक सेंटर की मुख्य इमारत में जबरन प्रवेश करने की कोशिश की। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ उनकी धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने करीब 15 लोगों को हिरासत में लेकर कमला मार्केट थाने पहुंचाया, जहां उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने भीड़ को मौके से हटा दिया है।

आम आदमी पार्टी (आप) की छात्र इकाई के सदस्य भी विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। आप छात्र विंग के सदस्य दुर्गाबाई देशमुख मेट्रो स्टेशन के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मुताबिक, हादसे के बाद 10 लोगों को इलाज के लिए लाया गया था। इनमें से चार लोगों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत घोषित कर दिया गया था, जबकि एक अन्य व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह हादसे में मृतकों की संख्या पांच हो गई।

घायलों में छात्र और मजदूर शामिल हैं। चार छात्र और दो मजदूर घायल हुए हैं। घायल छात्रों की पहचान अभिषेक, नीरज और आदित्य के रूप में हुई है। इनका एम्स ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है और फिलहाल इनकी हालत स्थिर बताई गई है। एक अज्ञात छात्र का आरआर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घायल श्रमिकों की पहचान असगर अली और अयान के रूप में हुई है। असगर अली का इलाज एम्स ट्रॉमा सेंटर में, जबकि अयान का इलाज सफदरजंग अस्पताल में चल रहा है। दोनों की हालत स्थिर बताई गई है। पांच मृतकों में से एक की पहचान छात्र युवराज के रूप में हुई है, जबकि अन्य मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। एम्स का कहना है कि इमारत गिरने की घटना के बाद चार मरीजों को जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर लाया गया था। इनमें से दो मरीजों की हालत गंभीर है। एक बचावकर्मी को भी अस्पताल लाया गया था, जिसे इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं, एक मरीज को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था।

बेसमेंट में चल रहा था मरम्मत का काम

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सत्य निकेतन में रविवार को गिरी इमारत करीब 40 से 50 साल पुरानी थी। इमारत के बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुताबिक, बेसमेंट में खुदाई का काम चल रहा था, जिसके कारण एक पिलर खिसक गया और पूरी इमारत ढह गई।

पुलिस के अनुसार, ग्राउंड फ्लोर पर मरम्मत का काम चल रहा था और इसी दौरान इमारत गिरने की घटना हुई। दक्षिण कैंपस थाने में इमारत के कथित मालिक हरिराम बंसल और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105, 290 और 125(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मामले में मुख्यमंत्री ने मजिस्ट्रेट से जांच कराने और इमारत के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। आरोपियों की तलाश और उन्हें ट्रेस करने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। ▶8पर

लंदन में बोले भागवत- RSS का काम नफरत नहीं

शुद्ध सात्विक प्रेम

लंदन, 06 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने लंदन दौरे के दौरान संघ की विचारधारा, हिंदुत्व, विविधता, सामाजिक एकता और युवाओं की भूमिका को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी। 2 से 7 सितंबर 2026 तक लंदन दौरे पर आए भागवत ने 6 सितंबर को आयोजित ङ्गसेलिब्रेशन ऑफ वननेसफ कार्यक्रम में लोगों के सवालों के सीधे जवाब दिए और संघ को लेकर फैले विभिन्न भ्रमों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की।

जब उनसे संघ के काम और सोच के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य नफरत फैलाना नहीं, बल्कि समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ाना है। उन्होंने कहा, ङ्गङ्गकुछ लोग कहते हैं कि हमारा काम नफरत पर टिका है, लेकिन सच इससे बिल्कुल उल्टा है। निस्वार्थ और शुद्ध प्रेम ही हमारे पूरे काम की असली नींव है।फ्फ

कार्यक्रम के दौरान भागवत से पूछा गया कि संघ का ऐसा कौन सा मजबूत पहलू है, जो दशकों बाद भी समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। इसके जवाब में उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा शुद्ध सात्विक प्रेम। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिना किसी स्वार्थ और द्वेष के समाज के प्रति निस्वार्थ आत्मीयता रखना ही संघ का मूल विचार है। इसी शक्ति के आधार पर संगठन वर्षों से लगातार कार्य कर रहा है।

हिंदुत्व को व्यापक दृष्टिकोण से समझने की जरूरत

हिंदुत्व को लेकर भागवत ने कहा कि हिंदू धर्म को केवल किसी एक व्यक्ति या सीमित दायरे में नहीं बांधा जा सकता। हिंदू का संबंध परिवार, समुदाय, समाज और पूरी मानवता से है। उन्होंने कहा कि हिंदू परंपरा में प्रकृति के साथ केवल पूजा-पाठ का रिश्ता नहीं, बल्कि प्रेम और जुड़ाव का भाव भी है।उन्होंने कहा कि यही अपनापन और आपसी स्नेह एकता का सबसे बड़ा आधार है। इससे व्यक्ति के चरित्र का निर्माण होता है और समाज आगे बढ़ता है।

हिंदू केवल धर्म या भूगोल तक सीमित नहीं

हिंदू शब्द का अर्थ समझाते हुए भागवत ने कहा कि इसे केवल धर्म या किसी देश की सीमा के दायरे में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक व्यापक सांस्कृतिक और सभ्यतागत पहचान है।

उन्होंने कहा कि हिंदू को केवल एक मजहब या भौगोलिक सीमा में बांधकर नहीं समझा जा सकता। यह जीवन, अस्तित्व और दुनिया के साथ हमारे रिश्तों को समझने का एक नजरिया है।

हिंदू राष्ट्र का उद्देश्य दुनिया के कल्याण में

हिंदू राष्ट्र के उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर भागवत ने कहा कि राष्ट्र केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि उसका एक उद्देश्य भी होता है। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र का उद्देश्य दुनिया को यह सत्य बताना है कि विविधता स्वाभाविक है और एकता ही परम सत्य है। इससे पूरी दुनिया का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि हिंदू विचार मूल रूप से इस बात पर आधारित है कि विविधता स्वाभाविक है। इसलिए उसे स्वीकार करना और उसका सम्मान करना चाहिए। विविधता के साथ तालमेल बनाकर चलना जरूरी है और यह समझना चाहिए कि ये सभी अस्तित्व की एकता के अलग-अलग रूप हैं।

युवाओं में दुनिया बदलने का जज्बा ज्यादा

आरएसएस प्रमुख ने युवाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि आज की नई पीढ़ी में दुनिया को बेहतर बनाने का जज्बा काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी पर ज्यादा विश्वास करना चाहिए। भागवत ने कहा, उन्हें बस यह बताइए कि मंजिल क्या है, रास्ता उन पर मत थोपिए। वे अपने दम पर सही मूल्यों और तरक्की के लक्ष्य को बहुत तेजी से हासिल कर लेंगे।

भागवत ने कहा कि दुनिया में वैश्विक और एक विश्व जैसे शब्दों का इस्तेमाल पहले से हो रहा है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी तरह निष्ठावान रहते हुए अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए अतिरिक्त साधन और समय भी दे सकता है।उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति ब्रिटेन के प्रति वफादार रहते हुए भारत की सेवा के लिए अतिरिक्त समय और साधन उपलब्ध करा सकता है तो उसे ऐसा करने से कोई नहीं रोकता। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कई संस्थाएं हैं, जो वैश्विक स्तर पर सेवा कार्य कर रही हैं। भागवत के अनुसार, अपनी मातृभूमि या पुण्यभूमि और कर्मभूमि के प्रति निष्ठावान रहते हुए वैश्विक नागरिक की तरह सोचना और काम करना कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह चिंतन का स्वाभाविक और तार्किक विकास है। ▶8पर

13-14 करोड़ नाम हटाना स्कैम

एसआईआर पर पूर्व सीईसी कुरैशी का दावा

भुवनेश्वर, 06 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एसवाई कुरैशी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। भुवनेश्वर में रविवार को उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को अतार्किक, अनुचित, मनमाना और शरारतपूर्ण बताया।

> बड़े पैमाने पर वोटरों के नाम हटाना एक स्कैम है। करीब 15 प्रतिशत आबादी को कृत्रिम प्रक्रिया से मिटा दिया गया। एक भी योग्य मतदाता का नाम हटाना असंवैधानिक और गैरकानूनी है।
>
> एसवाई कुरैशी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

कुरैशी ने दावा किया कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाना एक स्कैम है और एक कृत्रिम प्रक्रिया के जरिए करीब 15 प्रतिशत आबादी को मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया। पूर्व सीईसी कुरैशी ने कहा कि देशभर में करीब 13 से 14 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने इस मामले में उच्चतम न्यायालय के रुख पर भी हैरानी जताई। कुरैशी के मुताबिक, अदालत ने इस मामले में बहुत नरम रुख अपनाया, जिससे यह प्रक्रिया जारी रह सकी।

उन्होंने दावा किया कि हटाए गए लोगों में करीब 90 प्रतिशत लोग मतदान के योग्य हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ये सभी लोग दूसरे स्थानों पर चले गए हैं?

दूसरी जगह जाने वालों का नाम वहां जोड़ा जाना चाहिए

कुरैशी ने कहा कि अगर कोई मतदाता किसी दूसरी जगह चला गया है, तो उसका नाम नई जगह की मतदाता सूची में जोड़ा जाना चाहिए। केवल नाम हटाने की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यदि कुछ मतदाता पलायन कर गए हैं तो उनके नाम नई जगह की सूची में शामिल किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, हैरानी की बात है कि केवल नाम हटाए जा रहे हैं। क्या कोई दूसरी जगह से यहां नहीं आ रहा? क्या सिर्फ बाहर जाना ही हो रहा है? यह पूरी तरह अतार्किक, अनुचित, मनमाना और शरारतपूर्ण है।

एक योग्य मतदाता का नाम हटाना कितना गंभीर?

एसवाई कुरैशी ने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को मतदाता बनने का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि यदि एक भी योग्य व्यक्ति का नाम किसी कारण या बहाने से मतदाता सूची से हटाया जाता है तो यह असंवैधानिक और गैरकानूनी है। ▶8पर

हिजबुल्लाह, हमास, हूती और इराकी गुट एक साथ

इजरायल पर करेंगे सबसे बड़ा हमला?

तेल अवीव/तेहरान, 06 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में एक बार फिर बड़े युद्ध की आशंका गहराती दिखाई दे रही है। ङ्गद यरूशलम पोस्टफ ने इजरायली खुफिया रिपोर्ट के हवाले से दावा किया है कि ईरान 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले की तर्ज पर इजरायल के खिलाफ उससे भी बड़े और भयावह हमले की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार ते-हरान अकेले नहीं, बल्कि लेबनान के हिजबुल्लाह, गाजा के हमास, यमन के हूती और इराक के हथियारबंद गुटों को एक ही कमान के तहत लाकर इजरायल पर चौतरफा हमला करने की तैयारी में है।

इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के मुताबिक, हाल के हफ्तों में ईरान के समर्थन से हमास और हिजबुल्लाह के बीच आपसी तालमेल तेजी से बढ़ा है। बताया जा रहा है कि तेहरान का मकसद इजरायल को उत्तर में लेबनान और दक्षिण में गाजा से एक साथ घेरना है, ताकि उसके रक्षा तंत्र पर एक साथ कई मोर्चों से दबाव बनाया जा सके और उसे जवाब देने में मुश्किल हो।ईरानी रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि इस कथित योजना को जमीन पर उतारने के लिए तेजी से काम चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कुद्स फोर्स के शीर्ष अधिकारियों ने हिजबुल्लाह, हूती और इराकी लड़ाकों के कमांडरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के अलावा जमीनी स्तर पर भी रणनीतिक बातचीत की है। इन बैठकों का उद्देश्य विभिन्न गुटों के बीच सैन्य और संचालन संबंधी तालमेल को मजबूत करना बताया जा रहा है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछली लड़ाइयों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए ईरान ने मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोनों का उत्पादन कई गुना बढ़ा दिया है। इसका उद्देश्य संभावित संघर्ष की स्थिति में इन गुटों को पर्याप्त हथियार और सैन्य संसाधन उपलब्ध कराना बताया जा रहा है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 23^0

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की दो-टूक

सीमाओं से कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया का नक्शा अब नए रूप में नजर आ सकता है। संयुक्त राष्ट्र में देशों के वास्तविक आकार को अधिक सटीक तरीके से दर्शाने वाले नक्शे के इस्तेमाल से संबंधित एक प्रस्ताव को समर्थन मिला है। भारत ने भी इस पहल का समर्थन किया है, जबकि अमेरिका ने इसका विरोध किया। हालांकि, इस बदलाव से किसी भी देश के क्षेत्रफल या उसकी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में कोई परिवर्तन नहीं होगा। इसका उद्देश्य केवल नक्शे पर देशों के आकार को उनके वास्तविक अनुपात के करीब दिखाना है।

भारत ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी सीमाओं को लेकर स्थिति भी स्पष्ट कर दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रस्ताव का समर्थन करने का अर्थ किसी विशेष नए नक्शे को मंजूरी देना नहीं है। दुनिया के किसी भी नक्शे में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत के पूरे क्षेत्र को भारत सरकार के आधिकारिक नक्शे के अनुरूप ही दर्शाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का अर्थ किसी एक विशेष नक्शे को स्वीकार करना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव में सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नामों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया गया है। जायसवाल ने कहा कि भारत के किसी भी हिस्से को गलत तरीके से दिखाना स्वीकार्य नहीं है। ▶8पर

न बिकेगा, न झुकेगा इसरो

निजीकरण की अफवाहों पर अंतरिक्ष एजेंसी का करारा जवाब

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर हाल ही में ऐसी अफवाहें तेजी से फैलीं कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का निजीकरण किया जा रहा है या भविष्य में इसका महत्व और भूमिका समाप्त हो जाएगी। इन दावों से सोशल मीडिया पर काफी भ्रम और चिंता का माहौल बन गया। हालांकि, इसरो ने इन सभी दावों को पूरी तरह बेबुनियाद और गलत बताते हुए स्थिति स्पष्ट कर दी है। इसरो ने अपने आधिकारिक एक्स खाते के माध्यम से स्पष्ट किया कि न तो उसका निजीकरण किया जा रहा है और न ही अंतरिक्ष क्षेत्र में उसकी भूमिका कम होने वाली है। इसके विपरीत, भारत सरकार इसरो के नेतृत्व में एक व्यापक राष्ट्रीय अंतरिक्ष तंत्र विकसित कर रही है, जिसमें सरकारी संस्थानों के साथ निजी कंपनियों, स्टार्ट-अप्स और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

दरअसल, इसरो द्वारा पहले से विकसित और परिपक्व हो चुकी तकनीकों के आधार पर नियमित उपग्रहों तथा पुराने प्रक्षेपण यानों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की जिम्मेदारी निजी कंपनियों, स्टार्ट-अप्स और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दी जा सकती है। इसका उद्देश्य इसरो की भूमिका को समाप्त करना नहीं, बल्कि उसके ▶8पर

ईरान ने अमेरिका का किया बुरा हाल, अब ट्रंप की नजर जापान के मोगामी क्साल युद्धपोत पर

मोगामी की सबसे बड़ी पहचान इसका अनोखा और आधुनिक बाहरी ढांचा

वाशिंगटन

ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध अमेरिकी नौसेना काफी दबाव में है। इसी के चलते ट्रंप को साउथ चाइना सी से अपना युद्धपोत हटाना पड़ा था, लेकिन अमेरिकी नौसेना को फिर से ताकतवर बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प कदम उठा रहे हैं। अमेरिका तीन विदेशी युद्धपोतों को शामिल करने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इसमें सबसे आगे नाम जापान के मोगामी क्लास का लिया जा रहा है। मोगामी क्लास एक मिनी युद्धपोत है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प द्वारा जारी किए गए एक विशेष आदेश के तहत नौसेना इस अध्ययन को अंजाम दे रही है। इस योजना को फिनलैंड माडल का नाम दिया जा रहा है। इसके तहत शुरुआत में दो युद्धपोतों का निर्माण विदेशी शिपयार्डों में सीधे तौर पर किया जाएगा ताकि उन्हें जल्द से जल्द नौसेना में शामिल किया जा सके। इसके बाद आगे के जहाजों के निर्माण की कमान अमेरिकी शिपयार्डों को सौंप दी जाएगी ताकि देश का घरेलू जहाज निर्माण उद्योग भी दोबारा खड़ा हो सके।

मोगामी की सबसे बड़ी पहचान इसका अनोखा और आधुनिक बाहरी ढांचा है। इस 133 मीटर लंबे और करीब 3900 टन वजनी जहाज को इस तरह से तराशा गया है। इसमें सीधी या खड़ी सतहें बहुत कम हैं। इस खास डिजाइन का मकसद दुश्मन के रडार को भ्रमित करना और अपनी मौजूदगी को लगभग छिपाए रखना है। इससे दुश्मन के लिए इस पर सही टारगेट पर हमला करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

आमतौर पर इतने बड़े युद्धपोतों को चलाने के लिए सैकड़ों नौसैनिकों की जरूरत होती है, लेकिन मोगामी को महज 90 लोगों का क्रू आसानी से चला सकता है। पानी के नीचे छिपे खतरों को ढूंढ निकालने में मोगामी का कोई मुकाबला नहीं है। इसके पास एडवांस सोनार तकनीक, टारपीडो और एंटी-सबमरीन हेलीकाप्टर मौजूद हैं, जो समुद्र के सन्नाटे में छिपी दुश्मन की पनडुब्बियों को खोजकर तबाह कर देते हैं। इतना ही नहीं, यह जहाज पानी में बिछाई गई खतरनाक बारूदी सुरंगों को खोजने के लिए खास उपकरणों का इस्तेमाल भी कर सकता है। दुश्मन पर कहर बरपाने के लिए मोगामी के आगे एक 127 मिमी की विशाल नौसैनिक गन लगी है, जो तटीय और समुद्री ठिकानों को ध्वस्त कर सकती है। दुश्मन के जहाजों को डुबोने के लिए इसमें 8 घातक टाइप-17 एंटी-शिप मिसाइलें तैनात हैं। वहीं, हवा से आने वाली दुश्मन की मिसाइलों को नष्ट करने के लिए सीरैम डिफेंस सिस्टम और 16 सेल वाला वर्टिकल लान्चिंग सिस्टम लगाया गया है। इस समय अमेरिकी नौसेना अपने युद्धपोतों की संख्या तेजी से बढ़ाना चाहती है, लेकिन उसके अपने घरेलू शिपयार्ड इतनी तेजी से काम नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में मोगामी फ्रिगेट का कम क्रू, आधुनिक डिजाइन, कम लागत और पहले से तैयार उत्पादन क्षमता अमेरिका के लिए एक मुफीद विकल्प बन चुका है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल ने पहली बार लास एंड डैमेज फंड से मांगी आपात वित्तीय सहायता

काठमांडू। देश में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल सरकार ने पहली बार जलवायु परिवर्तन से होने वाली हानि और क्षति (लास एंड डैमेज) फंड से आपातकालीन वित्तीय सहायता मांगी है। हालांकि, नेपाल को कितनी राशि मिलेगी और यह सहायता कब तक प्राप्त होगी, इसका अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, फंड की रैपिड रिस्पान्स सुविधा के तहत मांगी गई सहायता की राशि नेपाल द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले नुकसान के प्रमाण और विवरण तथा फंड की बोर्ड बैठक में लिए जाने वाले निर्णय के आधार पर निर्धारित होगा। 26 अगस्त को हिमताल फटने के बाद ल्हेन्दे खोला होते हुए भोटेकोशी-त्रिशूली नदी में आई अचानक बाढ़ ने बड़े पैमाने पर जनहानि के साथ-साथ बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाया। इसके बाद नेपाल ने तत्काल राहत और पुनर्स्थापना के लिए इस फंड से सहायता मांगी है। वित्तमंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले और कृषि, वन एवं पर्यावरण मंत्री गीता चौधरी ने संयुक्त रूप से फंड के सह-अध्यक्षों को पत्र भेजकर बाढ़ से हुए नुकसान से तत्काल निपटने के लिए आपातकालीन वित्तीय सहायता की आवश्यकता बताई है। हालांकि, अभी तक फंड की ओर से पत्र का कोई औपचारिक जवाब प्राप्त नहीं हुआ है। कृषि, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के तहत जलवायु परिवर्तन प्रबंधन महाशाखा की उपसचिव दीपा ओली ने कहा कि नेपाल ने किसी निश्चित राशि की मांग नहीं की है। उन्होंने कहा, हमने राशि तय करके नहीं मांगी है। हालांकि कार्बन उत्सर्जन में नेपाल का योगदान नगण्य है, फिर भी हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। जलवायु परिवर्तन के कारण भोटेकोशी में आई हिमबाढ़ से हमें नुकसान हुआ है। हमें आपातकालीन सहायता की जरूरत है, इसी उद्देश्य से पत्राचार किया गया है।

नासा ने किया रोमन स्पेस टेलिस्कोप को अंतरिक्ष में रवाना

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपनी नई अंतरिक्ष वेधशाला नैंसी ग्रेस रोमन स्पेस टेलिस्कोप को अंतरिक्ष में रवाना कर दिया है। यह रोमन टेलिस्कोप ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने और अंतरिक्ष में मौजूद अनदेखी दुनिया की तलाश करेगा। करीब 4.3 अरब डालर की लागत से तैयार यह बस के आकार का टेलिस्कोप पृथ्वी से लगभग 16 लाख किलोमीटर दूर लैग्रेंज प्वाइंट-2 यानी एल-2 की ओर बढ़ रहा है। इसी क्षेत्र में जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप भी ब्रह्मांड का अध्ययन कर रहा है। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन हेवी राकेट से फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया गया। रोमन का उद्देश्य जेम्स वेब या हबल की तरह केवल चुनिंदा खगोलीय पिंडों की बेहद विस्तृत तस्वीरें लेना नहीं है। इसे ब्रह्मांड के बहुत बड़े हिस्से का तेजी से सर्वे करने के लिए तैयार किया गया है। इसका फील्ड आफ व्यू हबल स्पेस टेलिस्कोप से 100 गुना से भी अधिक बड़ा होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस क्षेत्र के सर्वे में हबल को करीब एक सदी लग सकती है, रोमन उसी काम को लगभग एक महीने में पूरा कर सकता है।

हिरोशिमा और नागासाकीः परमाणु हमलों से दो बार बचा इकलौता व्यक्ति

टोक्यो। हर साल अगस्त के माह में जापान अपने दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए विनाशकारी परमाणु हमलों को याद करता है। 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए हमलों ने जापान में भारी तबाही मचाई थी, लेकिन इसी विनाशलीला के बीच ऐसी अविश्वसनीय कहानी भी है जो मानवता के लचीलेपन और भाग्य पर यकीन दिलाती है। यह कहानी है सुतोमु यामागुची की, जो इतिहास के इन दोनों परमाणु बम हमलों में चमत्कारिक रूप से बच निकलने वाले दुनिया के इकलौते शख्स थे। यामागुची मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्री में एक इंजीनियर के तौर पर काम करते थे। 6 अगस्त, 1945 को वह अपने काम के सिलसिले में हिरोशिमा में थे और अपने गृह नगर नागासाकी लौटने की तैयारी कर रहे थे, जहाँ उनकी पत्नी और बेटा उनका इंतजार कर रहे थे। सुबह का वक्त था जब अमेरिकी बी-29 बाम्बर एनोला गे ने लिटिल बाय नामक परमाणु बम हिरोशिमा पर गिराया। यामागुची धमाके के केंद्र से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर थे। प्रचंड धमाके से वह जमीन पर गिर पड़े, बुरी तरह जल गए और उनकी सुनने की क्षमता को भी नुकसान पहुँचा।

वाशिंगटन और ईरान के बीच सैन्य टकराव बढ़ा होर्मुज में एक-दूसरे के तेल टैंकरों पर हमला

वाशिंगटन/तेहरान

होर्मुज जलडमरूमध्य का सारा इलाका इस समय राकेट, ड्रोन और मिसाइलों के निशाने पर है। अमेरिका और वाशिंगटन ने एक-दूसरे के तेल टैंकरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में गहराते संकट के बीच ऐसा पहली बार हो रहा है जब वाशिंगटन और तेहरान की मिसाइलें सीधे तेल टैंकरों को उड़ा रही हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के अनुसार, यह कार्रवाई ईरान की ओर से अमेरिकी नौसेना के दो जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने के कुछ घंटे बाद की गई। ईरान ने दो अमेरिकी नौसेना के जहाजों को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिकी युद्धपोत इन मिसाइलों से बचने में सफल रहे। इस हमले में किसी अमेरिकी सैन्यकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी बलों ने ईरान के तीन कच्चे तेल के टैंकरों पर हमला किया।

यह कार्रवाई वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव में एक और बड़ी वृद्धि के तौर पर देखी जा रही है। क्षेत्र में पहले से ही वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित है। संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में भी अस्थिरता बढ़ी है। तेल टैंकरों पर हमले से समुद्री परिवहन और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक एयरक्राफ्ट कैरियर और गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रायर पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने के बाद अमेरिका ने फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में तीन ईरानी तेल टैंकर पर हमलाकर उन्हें पानी में मिला दिया। इस हमले में अमेरिका का कोई भी युद्धपोत क्षतिग्रस्त नहीं हुआ और ना ही कोई घायल हुआ। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि ईरानी टैंकरों पर अमेरिकी हमलों के जवाब में उन्होंने कई जहाजों पर हमला किया, जिनमें कथित तौर पर अमेरिका से जुड़े जहाज भी शामिल हैं।

गार्ड्स ने एक बयान में कहा कि उनकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के अनधिकृत रास्ते पर तीन तेल टैंकरों और अन्य इलाकों में बच्चों की हत्या करने वाले अमेरिका से जुड़े तीन जहाजों को निशाना बनाया। उन्होंने दूसरे जहाजों को चेतावनी दी कि वे बिना मंजूरी वाले रास्तों से गुजरने की कोशिश न करें। अमेरिका ने इस बारे में तुरंत कोई पुष्टि नहीं की। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि फारस की खाड़ी में तीन ईरानी तेल टैंकरों को हमेशा के लिए बेकार कर दिया गया है। यह कार्रवाई तब की गई जब ईरान के गार्ड्स ने अमेरिका के एयरक्राफ्ट कैरियर और गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रायर पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका शिपिंग पर हमले जारी रखता है, तो अमेरिकी जहाजों पर हमले और भी गंभीर होंगे। इस पर इजराइल के इंस्टीट्यूट फार नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज में ईरान मामलों के विशेषज्ञ डैनी सिट्रिनोविच ने एक्स पर कहा कि ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल से अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को निशाना बनाना यह दिखाता है कि तेहरान अब उन जोखिमों को उठाने के लिए ज्यादा तैयार हो रहा है जिनसे वह पहले बचना चाहता था। ईरानी संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के सदस्य और प्रवक्ता हसन घशघवी ने अमेरिकी युद्धपोतों पर हुए हमलों को अमेरिका के साथ अस्तित्व की लड़ाई का हिस्सा बताया है। उनका तर्क है कि वाशिंगटन की नौसैनिक नाकाबंदी कभी होनी ही नहीं चाहिए थी।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में 21 आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में कम से कम 21 आतंकवादी मारे गए। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में यह जानकारी दी। आईएसपीआर के यह आतंकवादी 3 से 5 सितंबर के बीच हुई मुठभेड़ों में मारे गए।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर के बयान में कहा गया, 31 अगस्त/1 सितंबर 2026 की रात उत्तरी वजीरिस्तान जिले में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद इलाके में छिपे 10 और आतंकवादियों को मार गिराया गया। इससे घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे मारे गए आतंकवादियों की कुल संख्या 25 हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 3 से 5 सितंबर के बीच मारे गए 21 आतंकवादियों में वह चार आतंकी भी शामिल हैं जिन्हें कोहाट और डेरा इस्माइल खान जिलों में संयुक्त अभियानों के दौरान दो अलग-अलग मुठभेड़ों में ढेर कर दिया गया।

आईएसपीआर ने कहा, अफगान तालिबान सरकार सीमा का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने और आतंकवाद-रोधी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने में लगातार विफल रही है। सुरक्षा बल देश की सीमाओं की रक्षा करने के संकल्प पर अडिग हैं।

सेंटर फार रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में खासकर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलोचिस्तान प्रांतों में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। 2026 की दूसरी तिमाही में ये दो प्रांत हिंसा के मुख्य केंद्र बने रहे। इनमें केपी सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका रहा।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस तिमाही में हिंसा से जुड़ी कुल मौतों में से लगभग 96 प्रतिशत मौतें केपी और बलोचिस्तान में हुईं। कुल मौतों में से 61 फीसद से ज्यादा (475) मौतें केपी में हुईं, जबकि बलोचिस्तान में 34 प्रतिशत (265) मौतें दर्ज की गईं। केपी में हिंसा की सबसे अधिक घटनाएं भी दर्ज की गईं। यहां 151 मामले सामने आए, जो देश भर की कुल घटनाओं का 57 फीसद है। इसके बाद बलोचिस्तान का नंबर रहा, जहां 94 घटनाएं (35फीसद) हुईं।

मान्यताः जापान की नर्क की घाटी में मिलते है उम्र बढाने वाले अंडे

टोक्यो। जापान की ओवाकुदानी घाटी एक अनोखी घाटी है, जहां जमीन से निकलती गर्म भाप, सल्फर की तीखी गंध और उबलते पानी के कुंड किसी डरावने दृश्य का एहसास कराते हैं। इस ज्वालामुखीय इलाके को अक्सर नर्क की घाटी कहा जाता है। यहां मिलने वाले प्रसिद्ध काले अंडे के बारे में स्थानीय मान्यता है कि इन्हें खाने से व्यक्ति की उम्र सात साल बढ़ जाती है। ओवाकुदानी जापान के कानागावा प्रांत के हाकोने क्षेत्र में स्थित एक सक्रिय ज्वालामुखीय घाटी है। यहां धरती के भीतर मौजूद गर्मी के कारण लगातार भाप और गर्म गैसें निकलती रहती हैं। इसी प्राकृतिक वातावरण में मुर्गी के सामान्य अंडों को गर्म पानी के कुंडों में पकाया जाता है। पानी में मौजूद सल्फर और अन्य खनिजों की रासायनिक प्रक्रिया के कारण अंडों का बाहरी छिलका काला हो जाता है। हालांकि अंदर से अंडा सामान्य रूप से सफेद और खाने योग्य ही रहता है। इन काले अंडों को लेकर जापान में एक लोकप्रिय लोकमान्यता है कि एक अंडा खाने से जीवन में सात वर्ष की वृद्धि होती है। यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध दावा नहीं, बल्कि स्थानीय परंपरा और पर्यटन से जुड़ी मान्यता है। फिर भी यह अनोखी कहानी दुनिया भर के पर्यटकों को ओवाकुदानी की ओर आकर्षित करती है।

ट्रंप की धमकी के बाद सुर्खियों में पिकैक्स माउंटेन, ईरान का रहस्यमय परमाणु ठिकाना

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के पिकैक्स माउंटेन पर हमला करने की सीधी धमकी दी है, जिससे तेहरान में हड़कंप मच गया है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिकी सेना बहुत जल्द ईरान के इस महत्वपूर्ण ठिकाने पर हमला कर सकती है। हालांकि एक ओर ट्रंप ईरान के साथ इस संघर्ष को युद्ध मानने से इनकार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लगातार हमले की धमकियाँ दे रहे हैं। उनके इस बयान के बाद, ईरान पर अमेरिकी बंकर बस्टर्स बमों के इस्तेमाल का डर एक बार फिर गहरा गया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

अब सवाल यह है कि आखिर यह पिकैक्स माउंटेन क्या है, जिसे ट्रंप ने उड़ाने की धमकी दी है यह जगह इतनी खास क्यों है और अमेरिका के लिए इसे निशाना बनाना इतना मुश्किल क्यों माना जा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने 4 सितंबर को कहा कि अमेरिका ईरान के पिकैक्स माउंटेन पर बहुत जल्द हमला कर सकता है। यह वही जगह है, जिसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा माना जाता है और यह तेहरान से करीब 220 किलोमीटर दक्षिण में, नतांज परमाणु परिसर के पास स्थित एक पहाड़ी इलाका है। इसे ईरान का सबसे रहस्यमयी और मजबूत अंडरग्राउंड परमाणु ठिकाना भी माना जाता है, जो नतांज परमाणु

परिसर से केवल करीब 2 किलोमीटर की दूरी पर है।

भले ही अमेरिकी हमलों में ईरान की नतांज यूरेनियम संवर्धन साइट को भारी नुकसान पहुंचा हो, मगर इसी के पास मौजूद पिकैक्स माउंटेन का बाल भी बांका नहीं हुआ है। पिकैक्स यानी कुदाल या चट्टान तोड़ने वाला औजार होता है, इसी वजह से इसे पिकैक्स माउंटेन कहा जाता है। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से करीब 1600 मीटर है, लेकिन यह कोई सामान्य पहाड़ी नहीं है। इसके अंदर, जमीन के काफी नीचे सुरंगों का एक बड़ा परिसर बनाया गया है। मौजूद जानकारी और सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि यहाँ कई सुरंग परिसर हैं, जिनमें चार सुरंगों के मुहाने हैं। माना जाता है कि ये सुरंगें पहाड़ के अंदर बने एक बड़े भूमिगत परिसर तक जाती हैं। यह पूरा ढांचा जमीन से कम से कम 100 मीटर नीचे होने का अनुमान है, और इसी असाधारण गहराई की वजह से यह जगह अमेरिका के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है।

अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों का हुआ पालीग्राफ टेस्ट. गोपनीय सैन्य जानकारी लीक होने का आरोप

वाशिंगटन

अमेरिका के अत्यंत गोपनीय सैन्य भंडार और रणनीति से जुड़ी संवेदनशील जानकारी मीडिया में लीक होने के बाद हड़कंप मच गया है। इस मामले में अमेरिकी सेना के कई शीर्ष अधिकारियों से पालीग्राफ (लाई डिटेक्टर) जांच कराई गई है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन सूचनाओं के लीक होने से बेहद नाराज थे। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच रहा है।

तीन अलग-अलग अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस मामले में कई लोगों की जांच हुई, जिनमें सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) और अन्य सैन्य कमानों के अधिकारी शामिल थे। हालांकि, सूत्रों ने स्पष्ट किया कि कोई भी अधिकारी मीडिया को जानकारी लीक करने से जुड़े सवालों की जांच में असफल नहीं हुआ। सीमित संख्या में लोगों के पास ही संबंधित

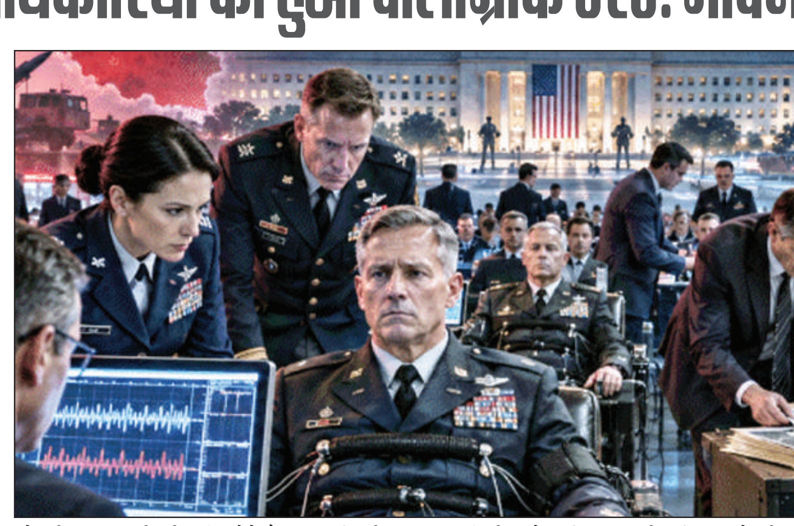

गोपनीय जानकारी की पहुंच होने के कारण किसी विदेशी खुफिया एजेंसी के लिए काम कर रहे उच्च सुरक्षा मंजूरी वाले व्यक्ति द्वारा लीक किए जाने की आशंका भी जताई गई है।

रक्षा विभाग ने इस मामले पर सीधे टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि वह आंतरिक जांच या कर्मचारियों से जुड़े मामलों पर बात नहीं करता। हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया कि वह गोपनीय जानकारी के लीक होने को बेहद गंभीरता से लेता है।

यह जांच ईरान के साथ संभावित युद्ध के दौरान अमेरिका के अत्याधुनिक और सीमित संख्या वाले हथियारों के तेजी से उपयोग संबंधी खबरों के बाद शुरू हुई थी। इससे पहले, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जुलाई में ही संवेदनशील सरकारी जानकारी मीडिया में लीक करने वालों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए रक्षा विभाग और न्याय विभाग की एक संयुक्त कार्यबल गठित करने की घोषणा की थी। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि शीर्ष गोपनीय जानकारी तक पहुंच रखने वाले अधिकारियों की पालीग्राफ जांच सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इस बार जांच का दायरा असामान्य रूप से व्यापक था।

संघीय कानून और रक्षा विभाग के नियम पालीग्राफ के इस्तेमाल पर कुछ सीमाएं और प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय भी निर्धारित करते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि सभी वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की जांच नहीं की गई; संयुक्त चीफ आफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी जांच के दायरे में नहीं थे। इससे पहले भी, रक्षा मंत्री हेगसेथ पेंटागन से जानकारी लीक होने की आशंका में पालीग्राफ जांच का सहारा लेने की धमकी दे चुके हैं।

पिछले वर्ष चीन से संबंधित एक गोपनीय पेंटागन ब्रीफिंग की जानकारी मीडिया में लीक होने के बाद उन्होंने तत्कालीन कार्यवाहक संयुक्त चीफ अध्यक्ष एडमिरल क्रिस्टोफर ग्रेडी से भी कथित तौर पर पूछताछ की थी, हालांकि ग्रेडी की पालीग्राफ जांच नहीं कराई गई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज व्यापार मे व्यस्तता ज्यादा रहेगी साथ मे आमदनी मे बढोत्तरी होगी नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है. आप दोस्तों के साथ एक नया कारोबार शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है. सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी. आज आप यात्रा में किसी व्यक्ति विशेष से मिल सकते है अपने स्वास्थ्य को हल्के मे लेना हानिकारक हो सकता हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को आज के दिन अपने व्यवहार मे कुछ बदलाव करना पडेगा जिससे काम पूरे होते हुए दिखेंगें आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. छात्रों के करियर में आज के दिन नया बदलाव आयेगा. जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. आज आप की जानपहचान किसी स्त्री विशेष होगी, जो आप को लाभ पहुंचाएगी. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. दोस्तों के साथ बेहतर दिन बीतेगा. भगवान शिव का पंचाक्षर मंत्र जप करें आप आसपास सकारात्मक वातावरण रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज महामृत्युंजय मंत्र का जप करें शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा आप को भोजन भी अपनी शारीरिक क्षमता से ही करना चाहिए। काम के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे. आपकी योजनाएं फलीभूत हो कर आप के हक में फैसला सुनाएंगी. गृहस्थ जीवन में जीवन साथी धार्मिक रवैया अपनाएगा. घर में कोई पूजा पाठ बड़े स्तर पर हो सकती है. प्रेम विवाह करने की योजना हैं तो अपनी कार्यवाही जारी रखें नये मुकाम पर पहुंचेंगे और भविष्य मे रिश्ते में गहराई आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के साथ जरूरी यात्रा पर जा सकते हैं यात्रा का उद्देश्य पूरा होगा आप अपने कार्य स्थल पर वाहवाही लूटेंगे जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. आर्थिक सन्दर्भ में त्वरित पैसा बनाने की योजनाओं या आकर्षक प्रस्तावों से दूर रहना बेहतर है. इससे आने वाले महीनों में समस्या हो सकती है. परिवार के सदस्यों के साथ कुछ गलतफहमी घरेलू माहौल को कड़वा बना सकती हैं बच्चों को मौसमी बिमारी से बचाना होगा बच्चों के शरीर का तापमान बड़ सकता हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन को सफलताओं से भरना हैं तो शिवजी का कच्चे दूध से अभिषेक करें आपका दिन करवट लेगा आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है. परिवार के साथ डीनर का प्लान बना सकते हैं. पैसों के लेन– देन करने से आपको बचना चाहिए. अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा. किसी तरह की पुरानी बातों पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए. कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी. आप को अपने व्यवसाय के प्रति जिम्मेदार होना होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दाम्पत्यजीवन की खुशहाली के लिए आप को दैनिक शिवपार्वती का पूजन करना चाहिए जिससे गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा। साझेदारी का कारोबारी सफलता देगा , बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा प्रेम जीवन बिता रहे लोग अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर बहुत सोचेंगे और आज का दिन ज्यादातर सोचने में ही बिताएंगे.शरीर की तंदरुस्ती के लिए पौष्टिक आहार लेते रहें। हड्डियों का दर्द तकलीफ दे सकता हैं। गाय की सेवा करनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों के लिए कुछ तकलीफ़े बन सकती हैं. सरकारी कर्मचारियों के साथ मेलझोल बना कर रखें लाभदायक रहेगा आपके दुश्मन आपके लिए मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं. आपकी आय कम हो सकती है और आपके निवेश ठहराव के चरण में जा सकते हैं. इस अवधि के दौरान व्यवसाय के संबंध में यात्रा उचित फल नहीं देगी. आपको शीघ्र पैसा कमाने की योजनाओं में निवेश करने से से बचना चाहिए. दोस्त मददगार नहीं रहेंगे. इसलिए आपको कमिटमेंट करने से पहले दो बार सोचना श्रेयकर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह उठते ही हथेलियों के दर्शन करें आपका दिन बेहतरीन रहेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं. आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है. व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा. ऑफिस का बढ़िया माहौल आपको खुश कर सकता है.व्यायाम करते रहे तंदूरस्ती बरकरार रहेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके लिए समय अनुकूल नही हैं नक्षत्र थोड़ा सा कमजोर है, इसलिए शांति और समझदारी से ही दिन गुजारना सही रहेगा. खर्चों में थोड़ी तेजी आने से मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी लेकिन यह अल्पकालीन है, इसलिए ज्यादा परेशान मत हों. काम के मामले में आपकी सोच आपके काम आएगी. व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा. सेहत उतार–चढ़ाव के बीच स्थिर रहेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोग आज के दिन को शांति से बिताएंगे और अपने प्रिय से खूब बातचीत करेंगे. गृहस्थ जीवन शांतिपूर्ण रहेगा.चीटियों को शक्कर डालें कर्ज मुक्त हो जांएगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

रोज सुबह उठते ही धरती माता को छूकर प्रणाम करें और फिर पश्चात धार्मिक कार्यों में संलग्न हो सकतें है, जिसके कारण आपकी सामाजिक लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी संभव है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार सिद्ध होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे.कर्म को महत्व देंना चाहिए आप का भाग्य आप को खुदबखुद मालामाल बन देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज दिन सफल रहेगा व्यवसायिक रुप से आप सफल भी होंगे. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा. साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे. आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे. परिवार में मधुरता के साथ विश्वास भी बढ़ेगा. किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी. परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे व्यय करना चाहिए धन की शुद्धि होगी संतति भी बढेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने स्वभाव को सरल बनाए आप को मृदुभाषी होने की जरूरत हैं जिससे आप का समय और दिन हर्षित रहेंगा. कामों में सफलता मिलेगी जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा. थोड़ा गुस्सा तो दिखाएंगे लेकिन जिद पकड़ना अच्छा नहीं. गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा और प्रेम जीवन बिता रहे लोग परिजनों के विरोध का सामना कर सकते हैं, इसलिए थोड़ी सी सावधानी रखें और मर्यादा ना लांघें.रोज सुबह चहलकदमी करते रहें शरीर निरोगी रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 सितंबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी सायं 05:06 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु सायं 06:14 तक
योग : व्यतिपात प्रात: 06:40 तक
करण : बव प्रात: 06:18 तक
चन्द्रराशि : मिथुन दोपहर 12:39 तक
सूर्योदय : 06:03 ,सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:08 , सूर्यास्त 06:25 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अजा एकादशी व्रत

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तुलसीदास जयंती एवं शिक्षक दिवस समारोह में साहित्य, संस्कृति और रंगमंच का संगम

शबरी नाटक ने मोहा दर्शकों का मन, भक्ति, समर्पण और मानवीय समानता का दिया संदेश

तुलसीदास के साहित्य और डॉ. राधाकृष्णन के शिक्षा–दर्शन पर हुआ विचार–विमर्श

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तुलसी भवन, उस्मानिया विश्वविद्यालय तथा प्रोफेसर प्रदीप कुमार, फिल्म, टेलीविजन एवं परफॉर्मिंग आर्ट्स इंस्टीट्यूट, हैदराबाद–40 के संयुक्त तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती–2026 एवं शिक्षक दिवस समारोह का भव्य आयोजन 5 सितंबर 2026 को सायं 5 बजे त्यागराज गाना सभा, हैदराबाद में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गोस्वामी तुलसीदास की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत तथा शिक्षक दिवस के महत्व को रेखांकित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर रामलू, पूर्व प्राचार्य, आर्ट्स कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय एवं संस्कृत विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। प्रोफेसर शुभदा वंजपे (सेवानिवृत्त), हिंदी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया। डॉ. प्रियदर्शिनी, हिंदी विभाग, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू), हैदराबाद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की गरिमा बढ़ाई। समारोह में प्रोफेसर घनश्याम, प्राचार्य, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, चेंदूर, नलगोंडा जिला सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षक और साहित्यकार शामिल हुए। इस अवसर पर हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण शबरी नाटक रहा। इसका निर्देशन एवं प्रस्तुतीकरण प्रोफेसर प्रदीप कुमार एवं डॉ. एच.के. वंदना के निर्देशन में किया गया। शबरी की मुख्य भूमिका में डॉ. एच.के. वंदना ने प्रभावशाली अभिनय करते हुए दर्शकों को भाव–विभोर कर दिया। नाटक में हिंदी महाविद्यालय के विद्यार्थियों आशुतोष, बाबू कुमार, केसरी एवं हर्षिता ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। शबरी के माध्यम से भक्ति, समर्पण, मानवीय समानता तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सी. कवि राजू, जे.एल. (हिंदी), जी.जे.सी., हदनूर तथा डॉ. शाम, रंगमंच कर्मी की भी सहभागिता रही। इनके योगदान से साहित्य, भाषा और रंगमंच के बीच एक सार्थक संवाद स्थापित हुआ।

समारोह में गोस्वामी तुलसीदास के साहित्य, विशेषकर रामचरितमानस, उनकी भक्ति भावना तथा उनके मानवीय एवं सामाजिक संदेश पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। साथ ही शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षा एवं दर्शन के क्षेत्र में योगदान को भी स्मरण किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि तुलसीदास का साहित्य भारतीय समाज में नैतिकता, करुणा, भक्ति और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने में आज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके साहित्य में निहित सामाजिक और मानवीय संदेश वर्तमान समय में भी प्रासंगिक हैं।

समारोह के दौरान विभिन्न विद्वानों एवं शिक्षकों को भाषा, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम ने साहित्य, शिक्षा, संस्कृति और रंगमंच को एक मंच पर लाकर सार्थक एवं प्रेरणादायी वातावरण का निर्माण किया।

अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, विद्वानों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। गोस्वामी तुलसीदास जयंती–2026 एवं शिक्षक दिवस समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उपस्थित लोगों के लिए यह आयोजन ज्ञान, साहित्य, संस्कृति एवं भारतीय मूल्यों से जुड़ने का प्रेरणादायी अवसर बना।

श्री ब्रांड की हैदराबाद में एंट्री, तेलंगाना में 2028 तक 20–25 और स्टोर खोलने की योजना

हैदराबाद, 6 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत की प्रमुख महिला जातीय परिधान ब्रांड श्री ने हैदराबाद के टीएनआर नॉर्थ सिटी मॉल में अपना पहला रिटेल स्टोर खोला है। 1500 वर्ग फुट के इस स्टोर का उद्घाटन फेमिना मिस इंडिया तेलंगाना 2026 राम्या कैलासा और सह–संस्थापक संदीप कपूर व शीतल कपूर ने किया। ब्रांड अगले दो साल में तेलंगाना में 20 से 25 और स्टोर खोलने की योजना बना रहा है।

स्टोर में साड़ी, कुर्ता, कुर्ता सेट, कुर्ती, ट्यूनिक, को–ऑर्ड्स और बॉटमवियर उपलब्ध हैं। सभी डिजाइन इन–हाउस हैं। ब्रांड पहले से ही ऑनलाइन माध्यम से तेलंगाना में मजबूत उपस्थिति रखता है और अब ऑफलाइन विस्तार कर रहा है। अब तक 7.5 मिलियन से ज्यादा आउटफिट बिक चुके हैं।

संदीप कपूर ने कहा कि राज्य में ऑनलाइन बिक्री के आंकड़ों ने यह फैसला आसान बना दिया। शीतल कपूर ने कहा कि हैदराबाद की महिलाओं की व्यस्त जीवनशैली को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए आरामदायक और स्टाइलिश कपड़े स्टोर में उपलब्ध हैं।

एनडीआरएफ से बीएसएफ तक : हैदराबाद में कुलीन के–9 कार्मिकों का संयुक्त प्रशिक्षण

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में राष्ट्रीय स्तर का आरआरयू के–9 मास्टरक्लास चल रहा है, जिसमें एनडीआरएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, असम राइफल्स, आंध्र प्रदेश पुलिस, तेलंगाना पुलिस–ऑक्टोपस और पश्चिम बंगाल पुलिस अकादमी के के–9 कमांडर, हैंडलर और पशु चिकित्सक एक साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं।

पांच दिवसीय यह कार्यक्रम 8 सितंबर तक कंपली स्थित कमांडो केनल्स में आयोजित हो रहा है। इसे राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के सहयोग से कमांडो केनल्स संचालित कर रहा है। कार्यक्रम में विस्फोटक–नार्कोटिक्स डिटेक्शन, सर्च एंड रेस्क्यू तथा ट्रैकिंग जैसे क्षेत्रों में अनुभव साझा किए जा रहे हैं।

आरआरयू के कर्नल बी.एस. राव ने कहा कि के–9 यूनिट की सफलता कुत्ते के साथ–साथ हैंडलर, कमांडर और पशु चिकित्सकों की दक्षता पर निर्भर करती है।

कमांडो केनल्स के फिलिप बट ने कहा कि यह मास्टरक्लास देशभर के के–9 पेशेवरों को एक मंच पर लाकर कौशल बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

कार्यक्रम का समापन 8 सितंबर दोपहर 12 बजे स्नातक समारोह के साथ होगा। इससे हैदराबाद आईटी और फार्मा के अलावा विशेषीकृत के–9 सुरक्षा प्रशिक्षण के केंद्र के रूप में भी उभर रहा है।

श्रीमद्भागवत कथा आयोजन की तैयारियां तेज

कलश यात्रा 1 अक्टूबर को विट्ठल–रुक्मिणी मंदिर से निकलेगी, पंजीकरण 25 सितंबर तक

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष माह के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन गुरुवार, 1 अक्टूबर से बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक किया जाएगा। कथा का आयोजन साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एनएम गुड़ा चौरस्ता, अतत्तापुर, हैदराबाद में होगा।

पितृपक्ष माह के अवसर पर आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों को लेकर अशोक कुमार हीरावत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी एवं संजय राठी द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति में दी गई।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बैठक में उपस्थित समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं आमंत्रित बंधुओं के समक्ष श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि पिछली बैठक में आए सभी सुझावों को पूरा करने की दिशा में कार्य किया गया है। इस पर उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की।त्कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं व्यापक रूप से संपन्न कराने के लिए बैठक में विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां संयोजकों को सौंपी गईं।

तकलश यात्रा के लिए श्रीमती जमुना देवी लाठी, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती जमुना देवी काबरा एवं श्रीमती पंडित विद्या देवी शर्मा को संयुक्त संयोजक बनाया गया।

पंडाल व्यवस्था के लिए संजय राठी एवं श्याम सुंदर जांगिड़ को संयुक्त संयोजक बनाया गया।

भोजन वितरण एवं उसकी देखरेख की व्यवस्था के लिए केदारनाथ लाठी, जमुना देवी लाठी एवं संजय गुप्ता को संयुक्त संयोजक बनाया गया।

कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था के लिए रामदेव व्यास को संयोजक बनाया गया।

कथा व्यास पीठ एवं पंडाल व्यवस्था के लिए रमेश मोदानी, निखिल एवं सोमाणी को संयुक्त संयोजक बनाया गया।

कथा वाचक एवं उनकी टीम के रहने की व्यवस्था के लिए श्री किशन काबरा को संयोजक बनाया गया।

कथा में आने वाले अतिथियों के सम्मान, उनकी पूर्ण व्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था संग्रह के संयोजन की जिम्मेदारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी को दी गई।श्रीमद्भागवत कथा के प्रचार–प्रसार की जिम्मेदारी महेश अग्रवाल एवं रिद्दी जागीरदार को संयोजक के रूप में दी गई।

सभी अतिथियों तथा सहयोग करने वाले बंधुओं को निमंत्रण देने की जिम्मेदारी श्रीनिवास सोमाणी, महेश अग्रवाल, संजय राठी एवं रमेश मोदानी को सौंपी गई। अन्य कार्यों के लिए संयोजकों की नियुक्ति अगली बैठक में की जाएगी।

बैठक को संबोधित करते हुए अशोक कुमार हीरावत ने पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से पितृदोष शांति, कुल का उद्धार, पूर्वजों की मोक्ष प्राप्ति, घर में सुख–शांति एवं समृद्धि, संतान की उन्नति तथा जीवन के विभिन्न कष्टों से मुक्ति की धार्मिक मान्यता है।

उन्होंने कहा कि पितृपक्ष माह के पावन अवसर पर बहुत से परिवारों के बुजुर्ग वर्षों से यह सोचते आ रहे हैं कि वे भी अपने परिवार के पितरों की मोक्ष प्राप्ति के लिए श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करेंगे, लेकिन किसी न किसी कारण से ऐसा नहीं कर पाए और यह इच्छा मन में रह जाती है। इस वर्ष सभी समाजबंधुओं को कम खर्च में सामूहिक रूप से अपने पितरों के निमित्त श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित होने का अवसर दिया जा रहा है। इच्छुक परिवार अपना नाम समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी के पास लिखवा सकते हैं।

उन्होंने सभी धार्मिक आस्था रखने वाली संस्थाओं, संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, महिला मंडलों, महिला संगठनों तथा समाज के सभी घटकों के बंधुओं से श्रीमद्भागवत कथा के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया।

समिति मंत्री महेश अग्रवाल ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर कलश यात्रा निकाली जाएगी। जो महिलाएं एवं बहनें कलश धारण करना चाहती हैं, वे समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी अथवा कलश यात्रा संयोजक श्रीमती जमुना देवी लाठी, श्रीमती ज्योति शर्मा एवं श्रीमती जमुना देवी काबरा के पास 200 रुपये देकर अपना नाम पंजीकृत करा सकती हैं। कलश यात्रा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

कलश यात्रा 1 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे श्री विट्ठल–रुक्मिणी मंदिर, शिवाजी नगर से रवाना होकर कथा स्थल साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एनएम गुड़ा, अट्टापुर पहुंचेगी। वहां अल्पाहार के बाद निर्धारित समयानुसार दोपहर 3 बजे से श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं से श्रीमद्भागवत कथा का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि कथा श्रवण के लिए आने वाले समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन शाम की आरती के पश्चात भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने सभी बंधुओं से पितृपक्ष माह के दौरान अपने परिवार एवं पितरों के निमित्त भोजन व्यवस्था में सहयोग कर पुण्य का लाभ लेने का आग्रह किया। साथ ही परिवार, संबंधियों एवं मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य के सहभागी बनने की अपील की।

बैठक में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, केदारनाथ लाठी, संजय गुप्ता, रामदेव व्यास, रामदयाल शर्मा, श्यामसुंदर जांगिड़, निखिल सोमाणी तथा साईं बाबा मंदिर के अध्यक्ष राजू भाई सहित अन्य सदस्य एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

1.05 करोड़ के सीएमआरएफ चेक वितरित

मंचेरियाल, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव एवं जिला डीसीसी की पूर्व अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा ने गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को मुख्यमंत्री सहायता कोष (सीएमआरएफ) के चेक वितरित किए। विधायक के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में मंचेरियाल नगर निगम एवं हाजीपुर मंडलों के कुल 286 लाभार्थियों को 1 करोड़ 5 लाख 47 हजार 100 रुपये के चेक सौंपे गए।

इस अवसर पर विधायक प्रेम सागर राव ने कहा कि गंभीर बीमारियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के दौरान आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवारों के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष बड़ा सहारा साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है।कार्यक्रम में मंचेरियाल नगर निगम के मेयर धरनी मधुकर, डिप्टी मेयर सल्ला रम्या–महेश, कॉर्पोरेशन कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष एवं कॉर्पोरेटर तूमुला नरेश, मार्केट कमेटी चेयरमैन रामगिरी बानेश, वाइस चेयरमैन जाले रायलिंगू सहित कॉर्पोरेटर, सह–मनोनित सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, वार्ड सदस्य, डिविजन अध्यक्ष, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नगरपालिका समस्याओं को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार की कथित विफलताओं और पेद्दापल्ली नगर की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर बीआरएस ने नगरपालिका कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के आह्वान पर, शहरी विभाग के तत्वावधान में तथा पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र प्रभारी एवं पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी के निर्देश पर आयोजित किया गया।

बीआरएस शहरी अध्यक्ष उप्पू राज कुमार ने कहा कि शहर में नालियों में प्लास्टिक व कचरे का जमाव, सीवेज का ओवरफ्लो, खराब स्ट्रीट लाइट, कब्रिस्तानों में उगी झाड़ियां तथा सरकारी स्कूलों एवं जूनियर कॉलेजों के मैदानों में व्याप्त गंदगी से लोगों को परेशानी हो रही है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ये उपाय बचाते हैं किसी बुरी नजर या टोने-टोटकों के अशुभ प्रभाव से

अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढी आदि पर पानी का छिडकाव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड की टहनी पत्तियों सहित मुख्य दरवाजे पर लटकाएं।

घर सुखी तो मन सुखी, मन सुखी तो तन सुखी। पर कभी कभी हमें हमारे घर को लगता है ना जाने किसकी नजर लग गई होती है सब बुरा ही होने लगता है । क्या आपको लगता है कि किसी ने आपके घर पर टोना-टोटका किया है जिसके कारण आपके परिवार पर इसका अशुभ प्रभाव पड रहा है तो हम आपको बता रहे हैं टोने-टोटको से बचने के साधारण व अचूक उपाय। इन उपायों को करने से आपके घर व परिवार पर किसी टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडेगा। यह उपाय इस प्रकार हैं- अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढी आदि पर पानी का छिडकाव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड की टहनी पत्तियों सहित मुख्य दरवाजे पर लटकाएं। शनिवार के दिन सात हरी मिर्च के बीच एक नींबू काले धागे में पिरोकर मुख्य द्वार पर लटकाएं। इससे भी बुरी नजर नहीं लगेगी। सप्ताह के किसी एक दिन घर की साफ-सफाई करने के बाद एक बाल्टी पानी में थोडी शक्कर और दूध डालकर कुश से उसका छिडकाव पूरे घर में करें। आखिर में शेष पानी को दरवाजे के दोनों और थोडा-थोडा डाल दें। अमावस के दिन एक ब्राहमण को भोजन अवश्य कराएं। इससे आपके पितर प्रसन्न होंगे और आपके घर व परिवार को टोने-टोटको के अशुभ प्रभाव से बचाएंगे। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके घर में पैसों का आगमन बिल्कुल कम होता है। उस घर के सदस्य कमाते तो बहुत हैं लेकिन घर में पैसा नहीं आ पाता। दूसरे कामों में ही खर्च हो जाता है। अगर ऐसा हो तो ऐसा करने से घर में पैसों का आगमन होगा और सुख-शांति भी बनी रहेगी। शुक्ल पक्ष के बुधवार की शाम को किसी केले के पौधे के समीप जाएं। उस पर जल चढाएं। हल्दी से तिलक करें और गुरु बृहस्पति का ध्यान कर पौधे से अगले दिन (गुरुवार को) थोडी सी जड ले जाने की आज्ञा मांगें। दूसरे दिन सूर्य निकलने पर स्नान कर केले के पेड की पूजा करें और लकडी के एक टुकडे से पौधे की जड खोदकर निकाल लें और घर ले आएं। इस जड को गंगाजल से धोकर केसर के जल में डाल दें।

घी का दीपक जलाकर ऊँ बृं बृहस्पते नम: मंत्र की एक माला का जप करें और उस जड को जल से निकालकर पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें। इसके बाद प्रति गुरुवार को उस जड को केसर घुले गंगाजल में स्नान कराकर पुन: उस पीले कपडे में बांध कर इस मंत्र का जप करें और पुन: तिजोरी में रखें। जब भी ऐसा करें जरुरतमंदों को दान दें व बच्चों को मिठाई अवश्य खिलाएं। इस तरह आपके घर में धन का आगमन होने लगेगा।

अगर नौक्री से जुडी समस्या हो तो शनिवार को हनुमानजी के मंदिर में जाकर सवा किलो मोतीचूर के लड्डुओं का भोग लगाएं। घी का दीपक जलाएं और मंदिर में ही बैठकर लाल चंदन की या मूंगा की माला से 108 बार नीचे लिखे मंत्र का जप करें-

कवन सो काज कठिन जग माही।
जो नहीं होय तात तुम पाहिं।।

इसके बाद 40 दिनों तक रोज अपने घर के मंदिर में इस मंत्र का जप 108 बार करें। 40 दिनों के अंदर ही आपको रोजगार मिलेगा। शनैश्चरी अमावस्या के दिन एक कागजी नींबू लें और शाम के समय उसके चार टुकडे करके किसी चौराहे पर चारों दिशाओं में फेंक दें। इसके प्रभाव से भी जल्दी बेरोजगारी की समस्या दूर हो जाएगी। मंगलवार से प्रारंभ करते हुए 40 दिनों तक रोज सुबह के समय नंगे पैर हनुमानजी के मंदिर में जाएं और उन्हें लाल गुलाब के फूल चढाएं। ऐसा करने से भी शीघ्र ही रोजगार मिलता है। इंटरव्यू में जाने से पहले लाल चंदन की माला से नीचे लिखे मंत्र का 11 बार जप करें-

ऊँ वक्रतुण्डाय हुं

जप से पूर्व भगवान गणेश की पूजा करें और गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करते हुए दूध से अभिषेक करें। इस से हर बाधा हो जाएगी दूर सुबह उठकर नहाकर साफ पीले कपडे पहनें। इसके बाद आसन बिछाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं और 7 हल्दी की साबूत गांठे, 7 जनेऊ, 7 पूजा की छोटी सुपारी, 7 पीले फूल व 7 छोटी गुड की ढेली एक पीले रंग के कपडे में बांध लें। अब भगवान सूर्य का स्मरण करें और अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। यह पोटली घर में कहीं ऐसी जगह रख दें जहां कोई और उसे हाथ न लगाए। जब आपका कार्य हो जाए तो यह पोटली किसी नदी या तालाब में प्रवाहित कर दें।

ये 8 उपाय करने पर भगवान शिव होंगे प्रसन्न

भगवान शिव को भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं। यदि पूरी आस्था से शिव का ध्यान किया जाए तो वह शिवभक्तों की पुकार जरूर सुनते हैं। इसके लिए भगवान शिव की पूजा करने से पहले आप कुछ उपाय आजमा सकते हैं।

इन सभी उपायों का उल्लेख शिवमहापुराण में मिलता है।

1.भगवान शिव को अक्षत यानी चावल अर्पित करें। इसके साथ तिल अर्पित करने से भी वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं।

2.भगवान शिव को लाल और सफेद फूल बहुत प्रिय है। इसलिए शिव पूजा में इन्हीं रंगों के फूलों का शामिल करें।

3.शिवपुराण के अनुसार यदि शमी के वृक्ष के पत्तों से शिव पूजा करने से मोक्ष मिल सकता है।

4.इनके अलावा जूही, कनेर बेला के फूलों से भी पूजन करना चाहिए।

5.प्रत्येक सोमवार और सावन माह में 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से 'ऊं नम: शिवाय' लिखकर शिवलिंग पर चढाएं। इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

6.यदि विवाह में देर हो रही हो तो सावन में रोज शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध चढाएं। इससे जल्दी ही आपके विवाह योग बनेंगे।

7.भगवान शिव को जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है। भगवान शिव को गेंहू चढाने से संतान वृद्धि होती है।

वास्तु टिप्स: जानिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये ऑफिस

अगर आप खुद का व्यवसाय करना चाहते हैं लेकिन समझ में नहीं आ रहा है कि वहां का वास्तु कैसा हो, तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। हर किसी का सपना होता है कि वह अपने बिजनेस से अधिक से अधिक मुनाफा कमाए लेकिन सभी की यह मनोकामनाएं पूरी नहीं हो पाती।

वास्तु टिप्स के अनुसार ये चीजे ना रखें अपने घर में

अगर आपके ऑफिस में मालिक के बैठने का सही स्थान या फिर रिसेप्शन की लोकेशन कहां होनी चाहिये जैसी महत्वपूर्ण जानकारी पता चल जाए तो समझलिये कि आप दिन दूनी रात चौगनी तरक्की करेंगे।

तो देर मत कीजिये और पढिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये आपका ऑफिस। ऑफिस के मालिक के बैठने की जगह: ऑफिस के मालिक के बैठने का स्थान दक्षिण पश्चिम कोने में होना चाहिए और बैठते समय उत्तर की तरफका सामना करना चाहिए।

कोई बाधा नहीं होनी चाहिये:

कार्यालय का प्रवेश द्वार बिल्कुल सीधा होना चाहिये। वहां कोई ऐसी चीज ना रखी हो जो आपको सीधे घुसने से रोक रही हो। मतलब ऑफिस का एंट्रेंस बिल्कुल साफऔर सीधा हो।

सेंटर हमेशा खाली रखें:

ऑफिस स्पेस या काम करने की जगह का सेंटर खाली रखें। अगर आप क्यूबिकल में बैठते हैं तो, उसके सेंटर में गोला बनाएं और उसमें मौजूद कोई भी चीज का प्रयोग ना करें।

रिसेप्शन की लोकेशन:

अगर आप बिजनेस चला रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि रिसेप्शन उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित हो। जब रिसेप्शनिस्ट कस्टमर या क्लायंट से बात करे तो, उसका मुख उत्तरी या पूर्वी दिशा में होना चाहिये। ऐसा करने से नए अवसर प्राप्त होते हैं।

पानी की शक्ति का प्रयोग:

ऑफिस में बहता हुआ पानी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। आप अपने ऑफिस के अंदर फाउंटेन आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इसे ऑफिस के उत्तरी या पूर्वी कोने में रखना चाहिये, जहां ये अधिक से अधिक लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचे। आप चाहें तो ब्लैकफिश और 9 गोल्डफिश वाला एक्वेरियम भी रख सकते हैं।

कहां होन चाहिये अकाउंट्स डिपार्टमेंट:

इसे कार्यालय के दक्षिण पूर्वी भाग में बनाना चाहिये। यह दिशा समृद्धि दिलाता है और अधिक रिर्टन को आकर्षित करता है। इस दिशा में है कि समृद्धि के लिए खडा है और जब लेखा विभाग वहाँ रखा जाता है, यह अधिक रिर्टन को आकर्षित करने में सक्षम हो जाएगा।

यदि शादी में मुश्किलें आ रही हो तो करें ये उपाय

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनकी शादी में काफी मुश्किलें आती हैं। कई बार तो यह लोग काफी निराश हो जाते हैं। लेकिन उन्हें निराश होने की कोई जरुरत नहीं है , पूर्णिमा के अवसर पर यदि वे नीचे लिखे उपाय विधि-विधान से करेंगे तो न सिर्फउनका विवाह जल्दी होगा बल्कि उन्हें मनचाहा जीवन साथी भी मिलेगा।

उपाय— गरीबों को अपने सामर्थ्य के अनुसार पीले फ्ल जैसे- आम, केला आदि का दान करें। इस दिन नया पीला रुमाल अपने साथ में रखें। भगवान विष्णु के मंदिर में जाकर बेसन के लड्डू चढाएं। लड्डू के साथ सेहरे की कलगी भी चढाएं। यह शीघ्र विवाह का अचूक उपाय है। केल (केले के पेड) की पूजा करें। इस दिन भोजन में केसर का उपयोग करें व केसर का तिलक लगाएं। जरुरतमंदों को पीले वस्त्रों का दान करें।

गुरु बृहस्पति के मंदिर में जाएं। उन्हें पीली मिठाई, फल, फूल व वस्त्र अर्पण करें। एक किलो चने की दाल के साथ सोने का कोई आभूषण दान करें। यदि लडके की शादी नहीं हो रही है तो ब्राहमण को दान करें और यदि लडकी की शादी नहीं हो रही है तो किसी कन्या को दान करें। इसके अलावा जल्दी होगी आपकी शादी इन उपायों उपायों से। सोमवार का दिन भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। इस दिन नीचे लिखा उपाय करने से आपके विवाह में आ रही बाधाएं नष्ट हो जाएंगी। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर भगवान शंकर के मंदिर जाएं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करें तथा शिवलिंग पर 108 आंकडे के फूल चढ़ाएं हुए ऊँ नम: शिवाय: मंत्र का जप करते रहें। इसके बाद 21 बिल्व पत्र चढाएं और भगवान शंकर से शीघ्र विवाह के लिए प्रार्थना करें। शुभ मुहूर्त में किया गया यह उपाय जल्दी ही आपकी समस्या का निदान करेगा।

बुद्धि संसार की सबसे बडी शक्ति है

किसी अच्छाई या बुराई का मानदंड मूढ के लिए केवल दूसरों द्वारा उसे अच्छा या बुरा कह देना मात्र होता है। इनमें विवेक और बुद्धि का अभाव होता है।

बुद्धि संसार की सबसे बडी शक्ति है। जिसके पास बुद्धि है, उसके लिए सृष्टि का कोई भी कार्य ऐसा नहीं जिसे वह न कर सकता हो। अकारण दूसरों को हानि पहुंचाने और निंदा करने में दुर्जन आनंद पाते हैं। मूर्ख होने के कारण दंड के अभाव में वे भले लोगों के लिए संकट बन जाते हैं। मनस्वी एक बार जो बात स्वीकार लेते हैं, उससे संकट में भी विचलित नहीं होते। पर्वतीय नदी की धारा की तरह वे एक बार आगे बढ जाने पर पीछे मुडना नहीं जानते तेजस्वी का तेज प्रतिकूल परिस्थितियों में और अधिक उद्दीप्त होता है। लक्ष्य महान होने के कारण अपने से शक्तिहीन लोगों पर तेज नहीं प्रकट किया जाता। तेजस्वी के सामने अन्याय नहीं टिकता। तेजस्विता जन्मजात होने से किसी समय प्रभाव दिखा देती है। प्राणान्त होने की दशा में दूसरे द्वारा किए गए अपमान से स्वयं को बचाना ही तेज है। महापुरुष धीर और परोपकारी होते हैं। मित्रों के प्रति सच्चे, ईमानदार होने के कारण अपना स्वार्थ त्यागकर मित्र के कार्य को प्राथमिकता देते हैं। कृतज्ञ, शरणागत-वत्सल भेदरहित रहकर किसी के आगे हाथ नहीं फैलाते। आवश्यक होने पर किसी मध्यस्थ को रखकर अभ्यर्थना के पूर्ण न होने पर सम्मान बचाते हैं। एक बार कार्य स्वीकार कर लेने पर उसे पूरा करके ही मानते हैं।दयालु और कारुणिक होने से दूसरे के दुख को देखकर इनका हदय पिघल जाता है। इन्हें धन, जीवन का कोई मोह नहीं होता, केवल अपने यश और मान की चिंता रहती है। अपने द्वार से किसी को खाली हाथ लौटाने को महापुरुष मृत्यु से बढकर मानते हैं। संकट और प्रतिकूलताएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। परमसिद्ध की साधना से निकली वाणी सत्य की तरह होती है। क्रोध महाविनाशक और करुणा महान उपकारक होती है। जहां इनके चरण पडते हैं, वह स्थान तीर्थ सा पावन हो जाता है। अन्याय करने वाले के समर्पण पर क्षमा कर देते हैं। सज्जन सद्गुणों के अवतार होते हैं। सरल, सौम्य रहते हैं। दूसरे संत के बढते तप, तेज और महत्व को देखकर प्रसन्न होते हैं। कुछ विद्वान अपने विषय के दूसरे विद्वानों के बढते हुए आधार को सहन नहीं कर पाते। गुणवान अपना आत्म-सम्मान बचाते हैं।

पंचक में मृत्यु, भय का विषय नहीं

पंचक का नाम सुनते ही सनातन धर्म को मानने वाले,वैदिक ज्योतिष के समर्थक सतर्क हो जाते हैं। उस पर उनके परिवार में कोई बीमार हो, बचने की उम्मीद न हो तो वह भगवान से यही मनाते हैं कि-हे प्रभु, पंचक में इनकी मृत्यु न हो। अगर हो गई तो ये अपने साथ परिवार के चार सदस्यों को ओर ले जाएगा। जनसाधारण के मन में इसे लेकर गहरा डर बैठा हुआ है। अब जानते हैं कि यह कैसे बनता है। पंचक अर्थात पांच नक्षत्रों का समूह-धनिष्ठा के स्वामी मंगल, शतभिषा के स्वामी राहू, पूर्वाभाद्रपद के बृहस्पति, उत्तराभाद्रपद के शनि और रेवती के स्वामी बुध आदि से बनता है। पंचक में शामिल सभी नक्षत्र मृत्यु आदि में अद्भुत माने गए हैं। किसी सनातन धर्म को मनाने वाले के यहां जब मृत्यु होती है उसके यहां गरुड पुराण का पाठ मृतक को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिवार का दुख दूर करने के लिए किया जाता है। इसमें परिवार के सभी सदस्य और नजदीकी रिश्तेदार शामिल होते हैं। अमूमन 8 दिन चलने वाली यह कथा अब समय के अभाव के कारण एक दिन की हो गई है।

उसी गरुड पुराण से हमारा पंचक से उत्पन्न डर भी दूर होता है। इसमें साफ-साफलिखा है कि अगर पंचक में किसी की मृत्यु हो जाए तो उसमें कुछ सावधानियां बरतना चाहिए। सबसे पहले तो दाह-संस्कार संबंधित नक्षत्र के मंत्र से आहुति देकर नक्षत्र के मध्यकाल में किया जा सकता है। विधि विधान से की गई आहुति पुण्यफल प्रदान करती हैं। साथ ही अगर संभव हो दाह संस्कार तीर्थस्थल में किया जाए तो उत्तम गति मिलती है। दाह संस्कार करने वाले ब्राहमणों को इसके साथ ही अभिमंत्रित कुश के बने चार पुतलों को पार्थिव देह के समीप रखना चाहिए।

साथ ही नियमपूर्वक मंत्रसहित विधिपूर्वक यह काम करना चाहिए। पुतलों सहित फिर देह का दाह संस्कार करना धर्मसम्मत माना जाता है। साथ ही शोकाकुल परिवार जब सूतक की समय सीमा समाप्त हो तो मृतक की संतान को शांतिकर्म अवश्य करना चाहिए। हां, जब तक पंचक की शांति न हों तब तक न तो अंतिम यात्रा निकलनी चाहिए और न ही मृत प्राणी के लिए जल प्रदान करना चाहिए। अगर यह सब होता है तो वह अद्भुत फल प्रदान करता है। यह तो आप जानते ही हैं कि पंचक में ब्राहमण आदि समस्त जातियों का दाह संस्कार-बलिकर्म पंचक की शांति होने तक नहीं किया जा सकता। मृतक को सद्गति प्राप्त हो इसलिए तिल, गाय, संभव हो तो सोना और घी का दान जरूरतमंदों को करना चाहिए। इससे सभी प्रकार के डर समाप्त हो जाते हैं। परिवार के सदस्य पीपल, तुलसी, आंवला का वृक्ष मृतक की याद में लगाए तो भी बहुत लाभ होता है।

साथ ही नियमानुसार हर अमावस्या पर मृतक के लिए बराबर तिल मिश्रित जल से तर्पण करना चाहिए। संभव हो तो विप्र भोजन दक्षिणा सहित होना चाहिए। श्राद्धपर्व के 16 दिन तो अवश्य विधि-विधान से श्राद्ध होना चाहिए। अगर यह सब किया जाए तो मृतक को सद्गति प्राप्त होती है और परिवार के सदस्यों को सुख, समृद्धि और शांति मिलती है।

जानकारी

ब्लैक फूड खाएं, अच्छी सेहत और गोरा रंग पाएं

फिर चाहे बात कपड़ों को चुनने की हो या खाने की। पहली पसंद हमेशा ब्लैक ही रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी यह पसंद आपकी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हो सकती है। शायद आपको इस बात की जानकारी नहीं होगी कि ब्लैक फूड का सीमित मात्रा में सेवन कई तरह की बीमारियों के इलाज में मदद करता है। साथ ही इसके सेवन से आप अपनी त्वचा की रंगत को गोरा भी बना सकते हैं। आइए ऐसे ही ब्लैक फूड के बारे में जानें जो आपकी सेहत के साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

काला नमक

काले नमक में सोडियम क्लोराइड, आयरन, कैल्शियम और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए यह ब?लड प्रेशर और पाचन को ठीक रखता है। इससे शरीर में खून की कमी दूर होती है और हड्डियां मजबूत बनती है। नमक में मौजूद क्रोमियम एक्ने से लड़ता है और सल्फर त्वचा को साफ और कोमल बनता है। इसके अलावा काले नमक वाला पानी पीने से एग्जिमा और रैश की समस्या दूर होती है।

काले चने

काले चने में एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ-साथ फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से आपकी पाचन क्रिया सही रहती है। काले चने केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि त्वचा के बहुत फायदेमंद होता है। चना खाकर चेहरे की रंगत को बढ़ाया जा सकता है।

ब्लैक बीन्स

बीन्स फॉस्फोरस, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम और पोटैशियम की भी अच्छा स्रोत है। साथ ही इसमें फैट की मात्रा तो कम होती ही है, और इससे शरीर के लिए आवश्यक ओमेगा-3 और ओमेगा-6 की पूर्ति भी होती है। ब्लैक बीन्स बॉडी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करते है और डायबिटीज से बचाने में मदद करते हैं। साथ ही आपके त्वचा की रंगत भी निखारती हैं।

काले अंगूर

काले अंगूर में ऐसे एंटी-आक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा काले अंगूर हमारे चेहरे की त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। काले अंगूर का सेवन करने से त्वचा में भी चमक आ जाती है और चेहरे पर होने वाले दाग धब्बों, झुर्रियों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके सेवन से त्वचा जवां और निखरी हुई लगती है। इनमें मौजूद विटामिन सी स्किन सेल्स में जान भर देते हैं।

काली मिर्च

काली मिर्च में पेपरिन और प्रोटीन अधिक मात्रा में होते है। इससे वजन कम होता है और यह मसल्स मजबूत बनाने में फायदेमंद है। काली मिर्च में पाया जाने वाला पेपरिन पिगमेंटेशन को बढ़ाता है। इससे रक्त का संचार बढ़ता है तथा स्‍ि कन को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन प्राप्त होता है। काली मिर्च के उपयोग से त्वचा जवां बनी रहती है। काली मिर्च में मौजूद अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट त्वचा पर होने वाले दाग धब्बे और झुर्रियों से बचाते है।

रंगीन आहार सेहत का आधार

अलग-अलग रंगों के फल और सब्जियों की अपनी अलग ही खूबी होती है। यह खूबियां ही उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। शरीर को भी उन फलों और सब्जियों की जरूरत होती है। जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होता है। गहरे लाल, गुलाबी और नारंगी रंग में फायटोकेमिकल भारी मात्रा में मिलते हैं। जो शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाते हैं। आइए जानें किस रंग के फल या सब्जी में कौन सी खूबी है और उसका हमारी सेहत पर क्या असर पड़ता है।

रंगीन पदार्थो में पोषक तत्व

फल और सब्जियां प्राकृतिक रूप से जितने रंगीन होते हैं, वे उतने ही अधिक स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। रंगीन फल या सब्जियों में बीटा-कैरोटीन, विटामिन बी समेत विभिन्न पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इस बात को मानते हैं कि प्राकृतिक रंगों से भरपूर फल और सब्जी में एंटीऑक्सिडेंट विटामिन और मिनरल मौजूद होते हैं जो शरीर को कई प्रकार की बीमारियों से बचाते हैं। इसके अलावा अलग-अलग रंगों के खाद्य पदार्थ आपके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को फायदा पहुंचाते हैं।

हरे रंग के खाद्य पदार्थ

ब्रोकोली, गोभी, पालक जैसी हरी सब्जियों में विटामिन बी और मिनरल होते हैं। इनके सेवन से मानसिक तनाव कम होता है और प्रतिरक्षा प्रणाली भी मजबूत होती है। इसके अलावा हरे फल और सब्जियों में लूटिन नामक फायटोकेमिकल भी होते हैं, जो लीवर की रक्षा करते हैं। इसलिए हरे रंग को अपने नियमित आहार का हिस्सा बनाये।

लाल फल और सब्जियां

टमाटर, तरबूज, लाल-गोभी इस श्रेणी में आते हैं। इनमें फाइटोकेमिकल्स और लाइकोपीन नामक रसायन भी होता है । जो किसी भी प्रकार की आंतरिक क्षति या सूरज की किरणों से होने वाली त्वचा की क्षति से सुरक्षा करता है। इसके अलावा दिल की रक्षा भी करता है। स्ट्रॉबेरी, रसबेरी तथा बीटरूट में एंथोसायनिन पाए जाते हैं। यह फायटोकेमिकल्स का ही एक समूह है, जो उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करता है और डायबिटीज से जुड़ी समस्याओं से बचाव करता है।

पीले रंग सब्जियां और फल

पीले रंग के खाद्य पदार्थों में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता हैं, यह मुक्त कण का मुकाबला कर शरीर में सूजन को कम करने, एलर्जी को रोकने और स्वस्थ त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। पीले रंग के फल में कैरोटिनायड और विटामिन एक प्रचुर मात्रा में होता है। जो ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम करते है। पीले रंग के खाद्य पदार्थों में नींबू, अनानास, पीली शिमला मिर्च, और अंगूर शामिल हैं।

काले रंग के खाद्य पदार्थ

बेशक काले रंग के कपड़े लोगों को पसंद होते हैं। लेकिन खान-पीने के मामले में काला रंग आमतौर पर लोगों को पसंद नहीं होता है। लेकिन यकीन मानिए, काले रंग के आहार आपके किडनी के लिए बहुत लाभकारी होता है। इसलिए मुनक्का और काले जैतून को सेवन अपने आहार में करें। इसके अलावा काले रंग की गाजर में प्रचुर मात्रा में एंथासाइनीन पाया जाता है, जो शरीर में कोलेस्ट्राल को कम करता है।

जामुनी सब्जियां और फल

जामुनी फल-सब्जियों को अपने आहार में शामिल करना मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। इसके लिए अंगूर, प्याज, जामुनी रंग की पत्तागोभी, बैंगन आदि को अपने आहार में शामिल करें। इसके अलावा ब्लूबेरी एंटी-ऑक्सिडेंट को बहुत अच्छा स्रोत है। ये दिल की बीमारी और कैंसर की आशंका को कम करती हैं और शरीर में बैक्टीरिया को जमा होने से भी रोकती हैं।

सफेद सब्जियां और फल

सफेद रंग की सब्जियां आपके फेफड़ों के लिए फायदेमंद होते हैं। इसमें विटामिन सी, बी कॉम्पलेक्स, सल्फर आयरन, कैल्शियम, मैंगनीज, फास्फोरस भरपूर मात्रा में होता हैं। इसके अलावा आलू, लहसुन, सफेद मशरूम आदि का सेवन करने से उच्च रक्तचाप के रोगियों का ब्लड प्रेशर सामान्य रहता है।

नारंगी सब्जियां और फल

नारंगी सब्जियां और फल नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ बीटा कैरोटीन से उच्च होते हैं, इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ए भी प्रचुर मात्रा में होता है। प्लीहा को सुरक्षित रखने के लिए भी नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ खाने चाहिए । क्योंकि संतरों में पाया जाने वाला भरपूर मात्रा में विटामिन सी और कुछ मात्रा में विटामिन ए, प्लीहा के लिए अच्छा होता है। इसके अलावा गाजर, कद्दू, शक्करकंद जैसी सब्जियां में बीटा कैरोटीन आंखों और त्वचा के लिए अच्छा होता है।

मौसम के अनुसार फलों और सब्जियों का सेवन

स्वस्थ आहारों के सेवन से बहुत सी बीमारियों को खतरा कम हो जाता है। लेकिन इन सब आहारों को लेते समय एक बात का ध्यान रखना चाहिए। कि मौसम के अनुसार ही रंगीन सब्जियों और फलों का सेवन करें। मौसम के अनुसार ही सही मात्रा में व सही समय पर फलों का सेवन करें।

सुझाव

घर में छिपे बैक्टीरिया से आप भी हैं अंजान

घर को साफ-सुथरा रखने के लिए यह जरूरी नही कि आप सुबह से लेकर शाम तक सफाई करती रहें या एंटीबैक्टीरियल स्प्रे से रूप को फ्रेश करती रहें। इसके लिए आपको छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी दे रहे हैं। जो आपके बहुत काम आएगी।

किचन में है सबसे ज्यादा बैक्टीरिया

एक सर्वे के अनुसार रसोई सबसे संक्रमित होती है। ग्लोबल हाइजीन काउंसिल के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रसोई में इस्तेमाल के कपड़े, चाकू व चॉपिंग बोर्ड, फ्रिज के भीतर के हिस्से 60 से 90 प्रतिशत तक संक्रमित पाए गए हैं। घर में हाइजीन की कमी फूड प्वॉइजनिंग, डायरिया या जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने के अलावा अस्थमा के साथ-साथ जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों की परेशानी को भी बढ़ाने वाली होती है। इन जगहों और वस्तुओं की सफाई करने की जरूरत है।

बेड रूम और ड्राइंग रूम

कारपेट, दरी, परदे, सोफे की गद्दियां, सॉफ्ट टॉयस व कुशन आदि की नियमित सफाई करें। गीले कपड़ों को रसोई या फिर बाथरूम में लंबे समय तक न छोड़ें। रात में सोने से पहले गीले कपड़ों को अच्छी तरह निचोड़कर सुखाना नमी से पैदा होने वाले बैक्टीरिया को पैदा होने से रोकता है। खाने-पीने की चीजों के बिखरे हुए टुकड़ों को यूं ही न छोड़ें। तुरंत सफाई कर दें। घर में यदि पेड़-पौधे व गमले हैं तो उसके आसपास के हिस्से की भी नियमित सफाई करें।

बाथरूम भी है निशाने पर

टॉयलेट, खासतौर पर बेसिन, टॉयलेट सीट व ऐसा कोई भी हिस्सा जो शरीर के संपर्क में आता है, वहां से रोग फैलाने वाले बैक्टीरिया के संपर्क में आने की आशंका अधिक होती है। काई, फफूंदी, नमी, दरारें रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को तेजी से अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यदि बाथरूम में किसी छोटी-मोटी मरम्मत को लंबे समय से टाल रही हैं तो उसे ठीक कराने में ही समझदारी है। बाथरूम को अनावश्यक सामान से भरकर न रखें।

अन्य घरेलू वस्तुएं

गीले कपड़ों को खुला या बिखरा हुआ न छोड़ें। गीले कपड़ों पर बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। इस्तेमाल के बाद शैंपू की खाली बोतल, पैकेट, फेसवॉश व अन्य बोतलों को फेंक दें। एक्सपायरी प्रोडक्ट्स को जमा करके रखने में कोई समझदारी नहीं है। साबुनदानी की भी नियमित सफाई करें। किनारों पर जमने वाली साबुन पर गंदगी की परत जमने लगती है, जिस पर बैक्टीरिया पैदा होते हैं। यदि संभव है तो हर छह माह बाद नया टॉयलेट ब्रश खरीदें। अपने टूथब्रश को भी हर तीन माह पर बदलें और ब्रश करने के बाद उसे अच्छी तरह से धोना न भूलें।

आपके सारे दांत खराब कर सकती हैं ये आदतें

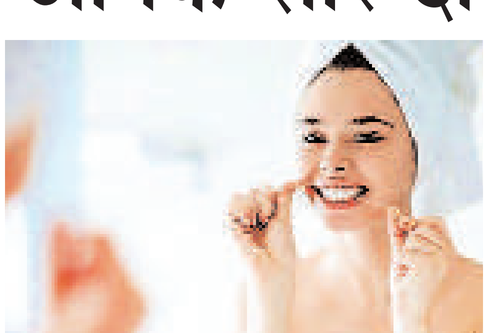

हमने बहुत बार यह बात सुनी है कि दांतों के बिना खाने का कोई स्वाद नहीं। दांतो खराब हो जाएं तो चेहरे की सुंदरता भी बिगड़ जाती है। अपनी गलत आदतों के कारण भी दांत खराब हो जाते हैं। ज्यादा मीठा खाना और दांत अच्छे से साफ न करना इसके खास कारण हैं। वैसे तो साल में 1 बार दांतों के चिकित्सक के पास चैकअप जरूर करवाना चाहिए। वैसे तो एक उम्र के बाद व्यक्ति के दांत निकल जाते है । लेकिन समय से पहले इनका खराब होना और टूटना चिंता का विषय है। कुछ बातों का ध्यान रखकर इनको खराब होने से बचाया जा सकता हैं।

दांतों के खराब होने के कारण

ज्यादा बर्फ खाना

कई लोगों को बर्फ खाना पसंद होता है। वैसे तो इसे खाने से सेहत को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन रोजाना बर्फ के टुकडों को खाने से दांतों को नुकसान पहुंचता है और इनमें दरारें पड़ जाती है।

दांतों से ढक्कन खोलना

दांतों से प्लास्टिक के लिफाफे और बोतलों के ढक्कन खोलने से इनमें दरारें पड़ जाती हैं और दांत कमजोर हो जाते हैं। कई बार तो ढक्कन खोलते समय दांत टूट भी जाते है । इसलिए इनको खोलने के लिए हमेशा कैंची और ऑपनर का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

दांत रगड़ना

नींद की कमी और तनाव के कारण अक्सर लोग अपने दांतों को एक-दूसरे के साथ रगड़ते हैं। जिस वजह से दांत कमजोर हो सकते हैं। इस आदत को रोक पाना कई बार काफी मुश्किल हो जाता है। इसलिए दिन के समय दांतों से सख्त चीज चबाने से धीरे-धीरे इसे छोडा जा सकता है।

ज्यादा मीठा और स्टार्चयुक्त खाना

छोटे बच्चों को चॉकलेट, केक और आलू चिप्स खाने का बहुत शौंक होता है। कई बड़े लोगों में भी ये आदत देखने को मिलती है। इससे दांतों में कीड़ा लग जाता है जो धीरे-धीरे दांतों को पूरी तरह खराब कर देता है।

पैन या पैंसिल चबाना

कई लोगों को काम के समय पैन या पैंसिल चबाने की आदत होती है। छोटे बच्चों को अक्सर पढ़ते समय पैंसिल चबाते देखा जाता है। ऑफिस में काम करने वाले कुछ लोग सोचते वक्त पैंसिल मुंह में डालते हैं। तनाव या परेशानी में भी लोग पैंसिल चबाते हैं। इस आदत को रोकने के लिए कम मीठे वाली च्युंगम को चबाना चाहिए।

खाली पेट चाय पीने की है आदत तो झेलनी पड़ेगी ये परेशानियां

चाय पीना बहुत-से लोगों को पसंद होता है और कई लोग तो अपने दिन की शुरूआत ही चाय की चुस्की से करते हैं। कई लोगों के लिए यह एक नशे की तरह होती है और अगर सारा दिन उन्हें चाय न मिले तो उनका सिर दर्द होने लगता है लेकिन सुबह खाली पेट चाय पीने से शरीर को कई नुकसान होते हैं। इसमें पाया जाने वाला कैफिन शरीर को एनर्जी तो देता है लेकिन खाली पेट चाय पीना कई बीमारियों को न्यौता देती है। आइए जानिए कैसे सुबह की चाय शरीर के लिए नुकसानदेह है।

1. प्रोस्टेट कैंसर

सुबह खाली पेट चाय पीने से प्रोस्टेट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है जो पुरूषों में पाई जाती है।

2. चिड़चिड़ापन

लोगों का मानना यह है कि सुबह के समय चाय पीने से शरीर में चुस्ती आ जाती है लेकिन यह बात गलत है। खाली पेट चाय का सेवन करने से सारा दिन थकान और स्वभाव में चिड़चिड़ापन बना रहता है।

3. एसिडिटी

दिन में एक-दो बार चाय पीना तो सही है लेकिन खाली पेट चाय पीने से पेट में गैस की समस्या हो जाती

है। ऐसे में जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या है उन्हें सुबह की चाय पीने से परहेज करना चाहिए।

4. जी मचलाना

चाय में काफी मात्रा में टैनिन पाया जाता है। खाली पेट चाय का सेवन करने से कई बार उल्टी या जी मचलाने जैसी समस्या हो सकती है।

5. मोटापा

खाली पेट चाय पीने से इसमें घुली चीनी भी शरीर के अंदर जाती है जो वजन बढ़ाने का मुख्य कारण है।

इन आसान घरेलू उपायों से पाएं निमोनिया से निजात

निमोनिया एक बहुत ही गंभीर बीमारी है जो ज्यादातर सर्दी के मौसम में होती है लेकिन आजकल बारिश के दिनों में भी इसके रोगी देखने को मिलते हैं। बारिश में भिगने के बाद व्यक्ति को ठंड लग जाती है जिस वजह से खांसी-जुकाम और कफ की समस्या हो जाती है। धीरे-धीरे यह बढ़कर निमोनिया का रूप धारण कर लेता है। इसके अलावा यह फेफड़ों में इंफैक्शन की वजह से भी हो जाता है। अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए तो इससे फेफड़ों में पानी भर जाता है और सूजन आ जाती है। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय करके इस बीमारी से निजात पाई जा सकती है। आइए जानिए इसके लक्षण और उपचार के बारे में

लक्षण : बलगम वाली खांसी,सांस लेने में तकलीफ,बुखार,सीने में दर्द,भूख कम लगना,

घरेलू उपाय

1. हल्दी और काली मिर्च: निमोनिया बुखार होने पर छाती में रेशा जमा हो जाता है और सांस लेने में काफी तकलीफ होती है। ऐसे में हल्दी, काली मिर्च, मेथी दाना और अदरक का पानी में उबाल कर काढ़ा बना लें और रोजाना इसका सेवन करें। इससे फेफड़ों की सूजन कम होगी और बुखार में भी आराम मिलेगा।

2. तिल के बीज : इसके लिए 300 मिलीलीटर पानी में 15 तिल के बीज, 1 चुटकी नमक, 1 चम्मच अलसी और 1 चम्मच शहद मिलाकर नियमित रूप से सेवन करें। इससे छाती में जमा कफ बाहर निकल जाएगा।

3. अदरक : रोजाना अदरक के रस का सेवन करने से भी फायदा होता है। इसके अलावा आप अदरक के टुकड़े को चूस भी सकते हैं।

4. शहद : खांसी होने पर शहद चाटने से आराम मिलता है। ऐसे में निमोनिया होने पर गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से फायदा होता है।

5. तारपीन तेल : तारपीन के तेल में कपूर मिलाकर हल्का गुनगुना करके उससे छाती पर मालिश करें। रोजाना रात को सोने से पहले इस तेल से मालिश करनी चाहिए।

गर्भधारण में समस्या बन सकता है मोटापा

ज्यादा वजन वाली महिलाओं को गर्भधारण करने में थोड़ा अधिक समय लगता है। शोध के अनुसार, अगर पति-पत्नी दोनों ही वजनी या मोटे हैं, तो पत्नी को गर्भधारण करने में सामान्य लोगों से 55 से 59 फीसदी ज्यादा समय लगता है। उन्हें गर्भधारण करने में भी समस्या होता है। उचित खान-पान के साथ वजन कम करने और व्यायाम से उनके गर्भधारण करने की संभावना में नाटकीय रूप से सुधार आता है।

रेसिपी

पनीर काजू मखाना

सामग्री

200 ग्रा. पनीर, 2 टेबल स्पून मखाना, 50 ग्राम काजू पेस्ट (उबालकर पीसा हुआ), 2 टी स्पून अदरक का पेस्ट, 1 टी स्पून अदरक लंबे व पतले टुकड़ों में कटा हुआ, 2 टी स्पून कटी हुई हरी धनिया, 1 टी स्पून या स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर, 50 ग्राम कटे हुए टमाटर, 1 टी स्पून काली मिर्च पाउडर, 1/2 कप ताजा क्रीम, स्वादानुसार सेंधा नमक, शुद्ध घी।

विधि

एक पैन में घी डालकर गर्म करें। फिर टमाटर, नमक, अदरक पेस्ट, मिर्च पाउडर और काली मिर्च पाउडर डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। काजू का पेस्ट और एक कप पानी डालकर 5 मिनट तक दोबारा पकाएं। मखाने तल कर एक कप पानी में भिगो दें, फिर उन्हें ग्रेवी में मिलाकर पकाएं। पनीर डालकर ऊपर से ताजा क्रीम और हरी धनिया डालकर सर्व करें।

कश्मीरी राजमा

सामग्री

250 ग्राम राजमा, 1/2 टी स्पून सोडा, 100 ग्राम मक्खन, एक चुटकी हींग, 1/2 टी स्पून शाही जीरा, 1/2 टी स्पून सोंठ, 150 ग्राम दही, 1/2 टी स्पून गरम मसाला, स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर व नमक, 1 टी स्पून धनिया पाउडर, 1 टी स्पून वड़ी मसाला।

विधि

राजमा को पानी में सोडा मिलाकर रात भर के लिए भिगो दें। सुबह पानी निकाल कर धो लें और प्रेशर कुकर में डालकर उबाल लें। पानी से निकालकर अलग रखें, लेकिन उबले हुए राजमा का पानी फेंकें नहीं। एक पैन को आंच पर रख कर गर्म करें। मक्खन डाल कर पिघलाएं। फिर फेंटा हुआ दही डालें। अब शेष मसाले डालकर अच्छी तरह चलाते हुए मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक पकाएं। उबले हुए राजमा और बचा हुआ राजमा पानी में से आधा कप पानी मिलाएं। ढककर लगभग 1-2 मिनट तक पकाएं। सर्व करने से पहले मक्खन डालें और प्लेन राइस के साथ गरमागरम सर्व करें।

सपादकीय

तंग नजरिया

तंग नजरिया राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद संविधान, अदालत और कांग्रोस से भी श्रेष्ठ समझते हैं, इसलिए उनका व्यवहार और प्रावृत्ति भी तानाशाही की हो गईं है। तानाशाह का तर्व अजीबोगरीब होता है इसलिए अमेरिकी प्राशासन ने भारत पर टैरिफ ज्यादा लगाने की कार्रवाईं को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व दिए जिसकी चर्चा स्वाभाविक है। दरअसल टैरिफ नीतियों के मामले में राष्ट्रपति ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से पहले ही झटका लग चुका है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ को गैर कानूनी बताते हुए कहा था कि ट्रंप के पास हर देश पर इस तरह से टैरिफ लगाने का कोईं कानूनी अधिकार नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि आपातकाल घोषित कर दुनिया पर टैक्स लगाना सही नहीं है। अब ट्रंप ने इस पैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाईं के दौरान ट्रंप प्राशासन ने भारत पर थोपे गए 50 प्रातिशत टैरिफ को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व देते हुए सालिसिटर जनरल जान सायर ने जजों से कहा कि भारत सहित अन्य देशों पर टैरिफ कम करने से अमेरिका को दूसरे देशों से बदले का सामना करना पड़ सकता है। जनरल ने बड़ी निर्लज्जतापूर्वक एक कपोल कल्पित दलील यह भी दी कि यदि टैरिफ कम कर दिया गया या हटा दिया गया तो दुनिया में शांति स्थापित करने की कोशिशों को भी झटका लगेगा। मतलब यह कि भारत के खिलाफ टैरिफ लगाकर ट्रंप प्राशासन रूस व यूव्रेन की युद्ध को खत्म कराने का दावा कर रहा है। यही नहीं ट्रंप यह भी दावा कर सकते हैं कि भारत पर टैरिफ बढ़ा दिया अन्यथा भारत पाकिस्तान पर हमला कर देता। ऐसा गपोड़ी राष्ट्रपति आज तक अमेरिका में न भूतो (हुआ) और न भविष्यति (होगा)। दूसरी तरफ यूरोपियन यूनियन की अध्यक्षा उर्सुला वेन डेर लेयेन ने प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन के जरिए बात करने के बाद बृहस्पतिवार को दावा किया कि यूव्रेन युद्ध को खत्म करवाने में भारत अहम भूमिका निभा रहा है। यही नहीं यूव्रेन के राष्ट्रपति से लगातार संपर्व में होने के लिए भी उन्होंने प्राधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए उर्सला ने लिखा है कि ''यह युद्ध वैश्विक सुरक्षा के लिए बहुत हानिकारक है। यह दुनिया की आर्थिक स्थिरता को कमजोर करता है, इसलिए दुनिया के लिए एक जोखिम है। यूरोपियन यूनियन को अमेरिका के हर राष्ट्रपति ने यह साबित करने की कोशिश की कि अमेरिका की मदद के बिना यूरोपीय देशों को कोईं भी पूछने वाला नहीं है। मतलब कि ऊर्जा हो या सुरक्षा सभी जरूरतें पूरा करने के लिए वे अमेरिका को धन्यवाद बोलने के लिए मजबूर रहते थे। सच तो यह है कि अमेरिका के नाराज होने के डर से यूरोपीय यूनियन के देश उस देश के साथ मैत्री या सहयोग की चेन तोड़ देते थे जिससे कि व्हाइट हाउस की व्रूदृष्टि न पड़ जाए! लेकिन अब यूरोपीय देशों ने खुलकर अमेरिका से अलग रास्ता अपना लिया है। उर्सला ने तो कहा है कि वह भारत के साथ प्री ट्रेड एग्रीमेंट करने जा रही हैं। हैरानी की बात है कि ट्रंप ने अपने व्यवहार से अपनी सरकार को इतना परेशान कर दिया है कि उनके मंत्री ही शिकायत कर रहे हैं कि ट्रंप पैसले को लेकर जब सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं तब उन्हें पता चलता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देश जब पस्त हो गए तो अमेरिका धीरे-धीरे उनके राष्ट्रीय हितों पर एकाधिकार करता चला गया। मजे की बात तो यह है कि यूरोपीय देशों ने भी कोईं ऐतराज नहीं किया। धीरे-धीरे स्थिति यह आ गईं कि सुरक्षा के मामले पर तो वे सभी अमेरिका पर निर्भर हो गए जबकि अपने विदेश व्यापार एवं वूटनीति निर्धारण में भी अमेरिकी इच्छा-अनिच्छा पर निर्भर होते गए। बहरहाल जब से ट्रंप यूरोपीय देशों को इस बात के लिए झिड़की लगाने लगे हैं कि यूरोपीय देशों की सुरक्षा करना अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं है और टैरिफ का डर दिखाने लगे हैं तब से यूरोपियन यूनियन के देशों ने अब ट्रंप और उनके अमेरिकी प्राशासन की परवाह करना बंद कर दिया है। लब्बोलुआब यह है कि अब जहां ट्रंप अमेरिका के सामरिक सहयोगियों के खिलाफ ही खुराफात करने लगे हैं, वहीं वह अमेरिका के परम्परागत मित्र देशों को भी अपने से दूर करने की आत्मघाती प्रावृत्ति का परिचय दे रहे हैं। इसलिए जिन ज्ञानी पुरुषों ने कहा है कि अज्ञानी दोस्त से अच्छा ज्ञानी दुश्मन होते हैं, वह ट्रंप जैसे राष्ट्रपति के लिए ही कहा है जो भारत को मित्र देश और रणनीतिक साझेदार की रट लगाते हैं किन्तु आर्थिक हितों पर प्राहार करने में बिल्वुल संकोच नहीं करते। अच्छा यह हुआ कि ट्रंप जिस तंग नजरिए से भारत का विरोध कर रहे हैं भारत उतनी ही समझदारी से उनकी औकात का उन्हें एहसास करा रहा है।

तानाशाह का तर्व अजीबोगरीब होता है इसलिए अमेरिकी प्राशासन ने भारत पर टैरिफ ज्यादा लगाने की कार्रवाईं को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व दिए जिसकी चर्चा स्वाभाविक है। दरअसल टैरिफ नीतियों के मामले में राष्ट्रपति ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से पहले ही झटका लग चुका है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ को गैर कानूनी बताते हुए कहा था कि ट्रंप के पास हर देश पर इस तरह से टैरिफ लगाने का कोईं कानूनी अधिकार नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि आपातकाल घोषित कर दुनिया पर टैक्स लगाना सही नहीं है। अब ट्रंप ने इस पैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाईं के दौरान ट्रंप प्राशासन ने भारत पर थोपे गए 50 प्रातिशत टैरिफ को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व देते हुए सालिसिटर जनरल जान सायर ने जजों से कहा कि भारत सहित अन्य देशों पर टैरिफ कम करने से अमेरिका को दूसरे देशों से बदले का सामना करना पड़ सकता है। जनरल ने बड़ी निर्लज्जतापूर्वक एक कपोल कल्पित दलील यह भी दी कि यदि टैरिफ कम कर दिया गया या हटा दिया गया तो दुनिया में शांति स्थापित करने की कोशिशों को भी झटका लगेगा। मतलब यह कि भारत के खिलाफ टैरिफ लगाकर ट्रंप प्राशासन रूस व यूव्रेन की युद्ध को खत्म कराने का दावा कर रहा है। यही नहीं ट्रंप यह भी दावा कर सकते हैं कि भारत पर टैरिफ बढ़ा दिया अन्यथा भारत पाकिस्तान पर हमला कर देता।

आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी श्रृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है।

4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं।

देश दुनिया से

तमिलनाडु सरकार के निर्णय और हिंदू धर्म

संविधान के अनुच्छेद 29 के अनुसार अल्पसंख्यकों के हितों को संरक्षण प्रदान किया गया है। इस अनुच्छेद की व्यवस्था है कि भारत के किसी भी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति को बनाए रखने और संरक्षित करने का अधिकार है। अनुच्छेद 29(2) के तहत राज्य द्वारा संचालित या राज्य से सहायता प्राप्त किसी भी शैक्षणिक संस्थान में किसी भी नागरिक को केवल धर्म, मूलवंश, जाति, भाषा या इनमें से किसी भी आधार पर प्रवेश से नहीं रोका जाएगा। अब संविधानिक अनुच्छेद 30 की बात करते हैं।अनुच्छेद 30 के अनुसार सभी धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और उनके प्रशासन का अधिकार होगा।अनुच्छेद 30(2) के तहत राज्य शैक्षणिक संस्थानों को सहायता देते समय इस आधार पर भेदभाव नहीं करेगा कि वह संस्थान किसी धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक के प्रबंधन के अधीन है। अनुच्छेद 30(1A) के अनुसार, यदि राज्य किसी अल्पसंख्यक संस्थान की संपत्ति का अधिग्रहण करता है, तो वह ऐसा मुआवजा देगा जिससे उस संस्थान के अधिकारों में कोई बाधा न आए। संविधान के इन दोनों अनुच्छेदों का अनुचित लाभ उठाते हुए भारत में अल्पसंख्यक वर्ग ने अपेक्षा से कहीं अधिक लाभ उठाया है। इन संवैधानिक अनुच्छेदों की भाषा का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि इनमें केवल इतनी व्यवस्था की गई है कि देश के अल्पसंख्यकों को भी अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने की सुविधा उपलब्ध होगी। इनमें यह नहीं कहा गया है कि ऐसी सुविधा बहुसंख्यक समाज के लोगों को नहीं होगी। इसके उपरांत भी इन अनुच्छेदों का नकारात्मक अर्थ क्यों निकाला गया है ? संविधान सभा के कई सदस्यों को यह आशंका थी कि जब देश स्वाधीन हो रहा है तो ऐसा न हो कि देश का बहुसंख्यक हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने लगे। इसलिए जहां हिंदुओं को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने की सुविधा उपलब्ध होगी (संविधान की इन दोनों धाराओं का अंतर्निहित अर्थ यही है) वहीं अल्पसंख्यकों को भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी। संविधान सभा के कई सदस्यों को विदेशी अनुभव दिखाई दे रहे थे, जहां पर किसी बहुसंख्यक वर्ग ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों का शोषण किया अथवा उनके संवैधानिक मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगा दिया। यह स्थिति भविष्य में भारत में न आए, इसके लिए ही भारत के संविधान में अनुच्छेद 29 और 30 की व्यवस्था की गई थी। परंतु हमारे देश में राजनीतिक लोगों के द्वारा व्यवहार में इन दोनों अनुच्छेदों का बहुत ही गलत प्रयोग किया गया है। इन अनुच्छेदों के स्थापित होने का अभिप्राय यह लगाया गया कि अपनी धार्मिक शैक्षणिक संस्थाएं खड़ी करने का अधिकार केवल अल्पसंख्यकों को होगा, बहुसंख्यकों को नहीं। यदि बहुसंख्यक ऐसा करते हुए पाए जाते हैं तो समझो कि वह एक 'अपराध ' कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान खड़े करने का अधिकार देकर यह भी मान लिया गया कि अपने शैक्षणिक संस्थानों में वे जैसी भी शिक्षा दें – यह उनका विशेष अधिकार होगा। इस व्याख्या ने हमारे देश में कई प्रकार के खतरे खड़े कर दिए हैं। अधिकांश मुस्लिम मदरसों में आतंकवाद की शिक्षा दी जा रही है। देश विरोधी भावनाओं को भड़काने का काम किया जा रहा है। देश के बहुसंख्यक समाज के विरुद्ध मुस्लिम अपनी नई पीढ़ी को तैयार कर रहे हैं। कुल मिलाकर संविधान के ये दोनों अनुच्छेद कश्मीर संबंधी धारा 370 से भी अधिक खतरनाक सिद्ध हुए हैं और हो रहे हैं। अब इन्हीं संवैधानिक अनुच्छेदों का सहारा लेकर तमिलनाडु की विजय सरकार ने बहुसंख्यकों अथवा सनातनियों पर नये अत्याचार करने आरंभ किए हैं। विजय सरकार ने मुस्लिम छात्रों के ट्यूशन को स्नातक की शिक्षा तक पूर्ण रूपेण निःशुल्क कर दिया है। सरकारी स्कूलों या कॉलेजों से लेकर निजी स्कूलों तक में यह नियम लागू किया जाएगा। तमिलनाडु के वक्फ बोर्ड के द्वारा अभी तक यह व्यवस्था चली आ रही थी कि कक्षा 1 से 8 तक की मुस्लिम लड़कियों को छात्रवृत्ति दी जाती थी। अपनी बहुसंख्यक हिंदू विरोधी मानसिकता का प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु की विजय सरकार ने अब इस छात्रवृत्ति को मैट्रिक तक करने का निर्णय लिया है। इस छात्रवृत्ति की राशि भी अब 2000 रुपये कर दी गई है।

तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय थलापति ईसाई हैं और वह उन ईसाई मिशनरीज के लिए खुलकर काम कर रहे हैं जो दक्षिण के इस राज्य का ईसाईकरण करने के काम में लगी रही हैं । यदि वैश्विक परिदृश्य पर चल रही राजनीति पर नजर दौड़ाई जाए तो ईसाई और मुस्लिम आपको सर्वत्र लड़ते हुए दिखाई देंगे। परंतु भारत में इन दोनों का साँझा शत्रु हिंदू है । उसके विनाश के लिए यह दोनों एक हो जाते हैं। यह बीमारी आज की नहीं है, अंग्रेजों के जमाने में भी यही बीमारी रही थी और इसी बीमारी ने देश का विभाजन करवाया था। जिसे देश के धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल न तो उस समय समझे थे और न आज समझ रहे हैं। इसलिए हिंदू विरोध के नाम पर हमारे देश में ये दोनों हाथ मिलाकर काम करते हैं । यही कारण है कि तमिलनाडु में मुसलमानों के समर्थन का तात्कालिक लाभ लेने के लिए विजय सरकार ने उनके लिए भी सुविधाओं के द्वार खोल दिए हैं। एक प्रकार से ईसाई और मुस्लिम दोनों का गठबंधन हिंदू विरोध के लिए बन चुका है। जितना भर भी सेक्युलरिस्ट गैंग भारत में काम कर रहा है, वह सारा का सारा धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इस हिंदू विरोधी गठबंधन के विरुद्ध कुछ भी नहीं बोलेगा।

आप का नज़रिया

धर्म के नाम पर न बांटने दिया जाये मनुष्यता को

बहुत पुरानी बात नहीं है, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर देश की विविधता में एकता को रेखांकित किया था। अब फिर उन्होंने अमेरिका के न्यूयॉर्क में कहा है कि जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर कर देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता। भागवत का यह कथन तब और महत्वपूर्ण बन जाता है, जब हम यह देखते हैं कि भारत में उनके अनुयायी बात-बात पर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं, उनके सामाजिक बहिष्कार की बात करते हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठता ही है कि उनकी किस बात पर विश्वास किया जाए— हिंदुओं और मुसलमानों के डीएनए के एक होने वाली बात पर या मुसलमानों को पाकिस्तान भेजे जाने वाली बात पर? विविधता में एकता का संदेश भारत की एक पहचान है। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां इतने सारे धर्मों को मानने वाले साथ मिलकर रहते हैं। लेकिन हमारी एक सच्चाई यह भी है कि धर्म के नाम पर ही आए दिन मनुष्यता को बांटने की कोशिशें होती हैं। संघ के मुखिया मोहन भागवत के ही कई संगी-साथी आए दिन मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराते दिखते हैं। यह सही है कि 1947 में देश का विभाजन धर्म के नाम पर ही हुआ था, पर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि नए भारत के संविधान-निर्माताओं ने भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं माना था। किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, भारत में रहने वाला हर नागरिक भारतीय माना गया था। यह भी सही है कि विभाजन के समय करोड़ों लोग भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए-गए थे, पर इस हकीकत से भी आंख नहीं चुराई जा सकती कि तब करोड़ों मुसलमानों ने भारत में रहना ही स्वीकार किया था। अवसर था उनके पास पाकिस्तान जाने का, पर ऐसा न करके उन्होंने इस देश की मिट्टी के प्रति अपने लगाव का ही उदाहरण दिया था। इसलिए, उनकी देशभक्ति पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं बनता। कुछ अरसा पहले आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। आज फिर 'धर्म अलग हो सकते हैं, मगर मानवता एक है, सभी रास्ते ईश्वर तक ले जाने वाले हैं' का संदेश देकर उन्होंने मनुष्यता के धर्म को स्वीकार करने का ही आग्रह किया है। सवाल इस आग्रह के पीछे की सच्चाई का है। हमारा संविधान देश के हर नागरिक को अपना धर्म मानने, उसके अनुसार आचरण का अधिकार देता है। हर भारतीय को यह अधिकार भी है कि वह अपने विश्वास का प्रचार-प्रसार कर सके। फिर, धर्म के नाम पर किसी के कम या अधिक भारतीय होने का क्या अर्थ रह जाता है? सवाल यह उठता है कि हमारी पहचान हिंदू या मुसलमान के आधार पर होनी चाहिए अथवा भारतीय होने के नाते? सवाल यह भी उठता है कि आज़ादी के अस्सीवें साल में गर्व से स्वयं को हिंदू या मुसलमान कहने-समझने का क्या अर्थ है? होना तो यह चाहिए था कि समय के साथ भारतीयता की हमारी पहचान और मज़बूत होती, पर हो उल्टा ही रहा है! हम भारत माता की जय का नारा तो लगाते हैं, पर यह भूल जाते हैं कि भारत माता है क्या? देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत-माता की एक परिभाषा हमें दी थी। इस देश के सारे नागरिक मिलकर भारत-माता को आकार देते हैं। इस तर्क को यदि हम समझ लेते हैं तो फिर स्वयं को भारतीय प्रमाणित करने के लिए कोई नारा लगाने की ज़रूरत नहीं रह जाती। यही भारतीयता हमारी पहचान होनी चाहिए। इसी भारतीयता पर हमें गर्व करना चाहिए। हमारी विविधता में एकता का यही अर्थ है, यही अर्थ होना चाहिए। जब मोहन भागवत सात समुद्र पार जाकर विविधता में एकता का संदेश देते हैं, उसकी महत्ता समझाते हैं, तो इसका अर्थ सिर्फ यही होना चाहिए कि यह संदेश हर भारतीय के लिए है। सच कहें तो दुनियाभर के लिए है यह संदेश। मैं कैसे अपने आराध्य को पूजता हूं, यह मेरा निजी कर्म है। इसके आधार पर मेरी कोई पहचान निर्धारित नहीं हो सकती।

भागवत का यह कथन तब और महत्वपूर्ण बन जाता है, जब हम यह देखते हैं कि भारत में उनके अनुयायी बात-बात पर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं, उनके सामाजिक बहिष्कार की बात करते हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठता ही है कि उनकी किस बात पर विश्वास किया जाए— हिंदुओं और मुसलमानों के डीएनए के एक होने वाली बात पर या मुसलमानों को पाकिस्तान भेजे जाने वाली बात पर? विविधता में एकता का संदेश भारत की एक पहचान है। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां इतने सारे धर्मों को मानने वाले साथ मिलकर रहते हैं। लेकिन हमारी एक सच्चाई यह भी है कि धर्म के नाम पर ही आए दिन मनुष्यता को बांटने की कोशिशें होती हैं। संघ के मुखिया मोहन भागवत के ही कई संगी-साथी आए दिन मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराते दिखते हैं। यह सही है कि 1947 में देश का विभाजन धर्म के नाम पर ही हुआ था, पर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि नए भारत के संविधान-निर्माताओं ने भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं माना था। किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, भारत में रहने वाला हर नागरिक भारतीय माना गया था। यह भी सही है कि विभाजन के समय करोड़ों लोग भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए-गए थे, पर इस हकीकत से भी आंख नहीं चुराई जा सकती कि तब करोड़ों मुसलमानों ने भारत में रहना ही स्वीकार किया था।

कुछ अलग

सौंदर्य का शाश्वत सत्य

एक बार पाब्लो नेरूदा इटली भ्रमण के दौरान काफी खुशी से सभी के प्रति अपनापन अभिव्यक्त करने लगे। कवि हृदय होने के कारण वे अपनी प्रशंसक सुंदर महिलाओं की भी तारीफ करने लगे। एक संकीर्ण सोच वाले व्यक्ति ने उन पर फब्ती कसी, मगर नेरूदा को बुरा नहीं लगा। वे बोले, 'मैं कवि हूं और मुझे हर मनभावन चीज से प्यार है।' जहां तक खूबसूरती की बात है, सौंदर्य तो बहुआयामी है। यह महज दृश्य तक सीमित नहीं है। श्रवण का भी अपना सौंदर्य है, स्वाद का भी अपना सौंदर्य है। सौंदर्य का संबंध बुद्धि से नहीं, बल्कि भाव से है; मस्तिष्क से नहीं, बल्कि हृदय से है। सौंदर्य को रूप-रंग और आकार के तराजू से तौला नहीं जा सकता। रूप-रंग से तय किया गया सौंदर्य क्षणिक है, जबकि वास्तविक सौंदर्य शाश्वत है। सौंदर्य वासनातीत है। सौंदर्य किसी की कमजोरी नहीं हो सकता। सौंदर्य कामुकता को जन्म नहीं देता, बल्कि कुदरत के प्रति सम्मान का भाव गहरा करता है।

दृष्टि कोण

श्रीराम जन्मभूमि नया ट्रस्ट- नया भरोसा -नया सवेरा

अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा प्रकरण के बाद जिस प्रकार कुछ राजनैतिक दल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लगातार जांच चलने के बाद भी अपने निहित स्वार्थ सिद्ध करने के लिए सनातन धर्म का लगातार अपमान कर रहे थे और पुरजोर प्रयास कर रहे थे कि किसी न किसी प्रकार अयोध्या के प्रति हिंदुओ की आस्था कमजोर पड़ जाए उससे सनातन समाज में क्रोध और निराशा दोनों ही व्याप्त हो रहे थे। अब जब एक लंबी चयन प्रक्रिया के बाद आपरेशन सिंदूर के नायक रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति श्री रामजन्मभूमि मन्दिर के प्रथम सीईओ के रूप में की गई है उससे हिन्दू समाज में भरोसे का नया भाव जगा है। नये सीईओ जितेंद्र मिश्र- अयोध्या में राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नये सीईओ के रूप में नियुक्ति की है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र पूर्व में लड़ाकू विमान उड़ाकर सीमाओं की सुरक्षा करते रहे हैं। वह वायुसेना में लगभग 40 वर्ष तक रहे तथा जनवरी 2025 में उन्होंने पश्चिमी एयर कमांड की जिम्मेदारी संभाली तथा ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाई। जितेंद्र मिश्र ने 1999 में कारगिल युद्ध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा मिराज 2000 से पाकिस्तानी सेना पर बमबारी की थी। जैसे ही जितेन्द्र मिश्रा के नाम का घोषणा हुई सोशल व टीवी मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर के समय की प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के साथ उनकी तस्वीर वायरल हो गई। इस तस्वीर में जितेंद्र मिश्रा प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी करते दिखाई पड़ रहे हैं । अब

वही जितेंद्र मिश्र अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि के सीईओ बनकर राम मंदिर का कामकाम संभालने जा रहे है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र का कोई राजनैतिक बैकग्राउंड नही है। देवरिया की भूमि के सुपुत्र जितेंद्र मिश्रा को स्वतंत्रता दिवस पर सर्वोतम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था। इससे पूर्व उन्हें 2024 में अति विशिष्ट सेवा मेडल ओर 2013 में विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। वह 6 दिसंबर 1986 को एयरफोर्स एकेडमी से वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुए थे। 40 वर्ष के कैरियर में उन्हें 3 हजार घंटे से अधिक उड़ाने भरने का अनुभव है। नेटफिक्स की ऑपरेशन सफेद सागर में जितेंद्र मिश्र का किरदार दिखाया गया था। श्रीराम मंदिर के सीईओ के प्रतिदिन के कामकाज में प्रतिदिन का दर्शन प्रबंधन, सुरक्षा ,सफाई, वीआईपी मूवमेंट, पर्वों पर भीड़ नियंत्रण, स्टाफ की निगरानी, जिला प्रशासन और पुलिस से तालमेल जैसे काम शामिल हैं। नीति, वित्त और शासन पर वास्तविक अधिकार महासचिव के पास ही रहेगा । पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरि जी नए महासचिव बनाए गए हैं। सीईओ महासचिव को रिपोर्ट करेगा और सीधे महासचिव के अधीन काम करेगा। सीईओ नीति बाने की बजाय फैसलों को लागू करेगा। महासचिव सीईओ की नियुक्ति उसके कामकाज की समीक्षा और वार्षिक बजट की अनुमति देगा। ट्रस्ट का प्रत्येक बड़ा निर्णय महासचिव की अनुमति से ही होगा। राम मंदिर ट्रस्ट में निर्णय की शक्ति महासचिव के पास तथा कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सीईओ के पास रहेगी। सीईओ पद के लिए देशभर से 5,585आवेदन आए थे, जिसमें आईएएस आईपीएस अधिकारियों के अलावा सेना के ब्रिगेडियर स्तर के अधिकारी और गैर सरकारी संगठनों से जुड़े लोग भी शामिल थे। मीडिया के तमाम अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए देवरिया निवासी जितेन्द्र मिश्रा का नाम सामने आते ही सभी विश्लेषक हैरान रह गए। ट्रस्ट में खाली पड़े तीन पदों को भी भर दिया गया है।

वनडे वर्ल्ड कप के हिटमैन रोहित शर्मा, रिकार्ड्स की दुनिया में सचिन-वार्नर को भी छोड़ा पीछे

28 मैचों में 1575 रन, रिकार्ड 7 शतक और 54 छक्के

विश्व कप इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रोहित

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, शानदार टाइमिंग और बड़े मुकाबलों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के कारण हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित ने विश्व कप के मंच पर कई ऐसे रिकार्ड बनाए हैं, जो उन्हें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की सूची में विशेष स्थान दिलाते हैं। रोहित शर्मा अब तक 2015, 2019 और 2023 के तीन वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 28 मुकाबलों में 60.57 की शानदार औसत से कुल 1575 रन बनाए हैं। विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रोहित चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गज मौजूद हैं।

विश्व कप में रोहित की सबसे बड़ी ताकत बड़े स्कोर और शतक लगाने की उनकी क्षमता रही है। वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकार्ड रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। उन्होंने केवल 28 मैचों में 7 शतक लगाए हैं। इसके अलावा उनके नाम 6 अर्धशतक भी दर्ज हैं। रोहित का विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 140 रन है। उन्होंने यह यादगार पारी 2019 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी। शतकों के मामले में रोहित ने सचिन तेंदुलकर और आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम विश्व कप में 6-6 शतक दर्ज हैं। छक्के लगाने के मामले में भी रोहित शर्मा का दबदबा कायम है। वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी उनके नाम है। रोहित ने विश्व कप मुकाबलों में अब तक 54 छक्के लगाए हैं। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ा है, जिनके नाम विश्व कप में 49 छक्के दर्ज हैं। रोहित शर्मा के ये आंकड़े साबित करते हैं कि वनडे विश्व कप के मंच पर उनका बल्ला हमेशा विपक्षी गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट के मैदान पर कद का अनोखा मुकाबला, कोई 5 फीट से भी छोटा तो कोई 7 फीट से ज्यादा; दोनों ने बनाया खास मुकाम

नई दिल्ली। क्रिकेट में जब लंबे कद की बात होती है तो अक्सर तेज गेंदबाजों की तस्वीर सामने आती है, जो अपनी लंबाई का फायदा उठाकर गेंद में अतिरिक्त उछाल पैदा करते हैं। हालांकि, क्रिकेट का इतिहास यह भी बताता है कि इस खेल में सफलता के लिए कद नहीं, बल्कि तकनीक, मानसिक मजबूती और प्रतिभा ज्यादा मायने रखती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसे खिलाड़ी भी रहे हैं, जिनके कद में जमीन-आसमान का अंतर था, लेकिन दोनों ने अपनी अलग खूबियों से पहचान बनाई। क्रिकेट इतिहास में सबसे छोटे कद के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज क्रूगर वैन विक का नाम लिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वैन विक घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उस समय दक्षिण अफ्रीकी टीम में दिग्गज विकेटकीपर मार्क बाउचर की जगह लगभग तय थी। ऐसे में बेहतर अवसर की तलाश में उन्होंने न्यूजीलैंड का रुख किया। वर्ष 2012 में उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। विकेट के पीछे उनका छोटा कद जरूर आकर्षण का केंद्र रहता था, लेकिन फुर्ती और तकनीक के दम पर उन्होंने नौ टेस्ट मैच खेले और 31 से अधिक की औसत से रन बनाए। उन्होंने साबित किया कि क्रिकेट में कद से ज्यादा कौशल और आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले शीर्ष तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में सफलता गति के साथ-साथ अनुशासन, नियंत्रण और स्विंग से मिलती है। इतिहास के पन्नों में कुछ ऐसे महान तेज गेंदबाज हुए हैं, जिन्होंने अकेले दम पर विरोधी टीम की कमर तोड़ दी और एक ही टेस्ट मैच में 10 या उससे अधिक विकेट चटकाकर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। इस सूची में सबसे ऊपर न्यूजीलैंड के महान आलराउंडर सर रिचर्ड हैडली का नाम चमकता है। 1973 से 1990 के बीच अपने 86 टेस्ट मैचों में हैडली ने 431 शिकार किए, लेकिन उनकी असली महानता 9 बार एक ही मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने से झलकती है। हैडली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15/123 रहा और उन्होंने 36 बार एक पारी में 5 विकेट भी लिए। आंकड़ों के लिहाज से इंग्लैंड के सिडनी बर्न्स का नाम अनूठा है। 1901 से 1914 के छोटे से दौर में बर्न्स ने सिर्फ 27 टेस्ट मैच खेले, लेकिन इनमें 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उनका गेंदबाजी औसत महज 16.43 का रहा और उन्होंने कुल 189 विकेट लिए, जिनमें 24 बार एक पारी में 5 विकेट और सर्वश्रेष्ठ 17/159 शामिल हैं। आस्ट्रेलिया के डेनिस लिली उस दौर के गेंदबाज थे, जिनकी दहाड़ से बल्लेबाज सहम जाते थे। 1971 से 1984 के बीच 70 टेस्ट मैच खेलने वाले लिली ने अपने करियर में कुल 355 विकेट झटके। उन्होंने भी सिडनी बर्न्स की तरह ही 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कीर्तिमान बनाया। 23 बार एक पारी में 5 विकेट लेने वाले लिली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11/123 रहा।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए शमी की होगी टीम इंडिया में वापसी, दिलीप ट्राफी फाइनल के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

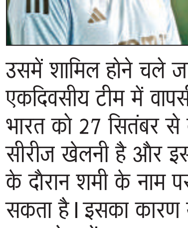

नई दिल्ली। लंब समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इसी माह 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रही सीरीज में वापसी हो सकती है। इसका कारण ये है कि इसी दौरान एशियाई खेल भी होंगे जिसके करण कई प्रमुख गेंदबाज उसमें शामिल होने चले जाएंगे। इससे शमी की एकदिवसीय टीम में वापसी की संभावना बन रही है। भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। इसका कारण ये है कि भारतीय टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाज उस समय एशियाई खेलों के लिए जापान में होंगे। जापान में 19 सितंबर से एशियाई खेल शुरू होने हैं, जिसके कारण ही जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा इस सीरीज में शामिल नहीं होंगे। ऐसे में चयनकर्ताओं के सामने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार जैसे तेज गेंदबाजी विकल्प हैं पर यदि टीम में चार तेज गेंदबाजों की जरुरत रही तो शमी को मिल सकती है जगह। इसका कारण ये है कि बुमराह के नहीं होने से भारतीय टीम के पास अधि अनुभव वाले तेज गेंदबाज नहीं रहेंगे।

भारत ने मलेशिया को 11-1 से हराया, जूनियर एशिया कप में लगातार दूसरी जीत

मोकी (चीन)

भारत की जूनियर महिला हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप-2026 में अपने शानदार अभियान को जारी रखते हुए एलीट पूल के दूसरे मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम अब 8 सितंबर को अपने तीसरे पूल मुकाबले में जापान का सामना करेगी।

दो बार की चैंपियन और मौजूदा विजेता भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराने के बाद इस मैच में और अधिक आत्मविश्वास तथा बेहतर तालमेल का प्रदर्शन किया। भारत की ओर से सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में तेज आक्रमण किया तथा पेनल्टी कार्नर का भी प्रभावी इस्तेमाल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में खाता खोला। पूजा साहू ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद आठवें मिनट में बिनीमा धान ने गोल किया, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा कायम रहा। 17वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 21वें मिनट में सुखवीर कौर और 28वें मिनट में गीता यादव ने गोल किए। हाफ टाइम तक भारत 7-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में मलेशिया को 38वें मिनट में नूर मोहम्मद ने एकमात्र गोल दिलाया। हालांकि, यह गोल भारतीय टीम की लय को प्रभावित नहीं कर सका। 42वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे पूजा साहू ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल पूरा किया। इसके अगले ही मिनट में सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर भारत की बढ़त 9-1 कर दी।

अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा। 53वें मिनट में गीता यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में सानिका ने एक और गोल दागकर भारत की जीत का अंतर 11-1 कर दिया।

इस जीत के साथ भारत ने अपने दोनों मैच जीतकर छह अंक हासिल कर लिए हैं और एलीट पूल की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

वनडे में उम्रदराज शतकवीरों का जलवा, 43 साल की उम्र में खुर्रम खान ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर उम्र कई बार सिर्फ एक आंकड़ा साबित हुई है। खासकर वनडे क्रिकेट में जहां युवाओं की फुर्ती, तेज रनिंग और आक्रामक बल्लेबाजी को अहम माना जाता है, वहीं कई अनुभवी खिलाड़ियों ने उम्र के ढलते पड़ाव पर भी अपनी शानदार बल्लेबाजी से इतिहास रचा है। इन खिलाड़ियों ने साबित किया कि अनुभव, तकनीक और आत्मविश्वास के दम पर बढ़ती उम्र के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रदर्शन किया जा सकता है। वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची इसका बेहतरीन उदाहरण है। इस सूची में सबसे ऊपर संयुक्त अरब अमीरात के पूर्व कप्तान खुर्रम खान का नाम आता है। 30 नवंबर 2014 को दुबई के आईसीसी एकेडमी मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में खुर्रम खान ने 43 साल और 162 दिन की उम्र में नाबाद 132 रन की शानदार पारी खेली थी। वनडे इतिहास के 3558वें मुकाबले में खेली गई इस पारी के साथ उन्होंने सबसे अधिक उम्र में वनडे शतक लगाने का रिकार्ड अपने नाम किया। उनकी बल्लेबाजी ने यह संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव और आत्मविश्वास उम्र की सीमाओं को पीछे छोड़ सकते हैं। श्रीलंका के महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या भी इस सूची में शामिल हैं। 28 जनवरी 2009 को दांबुला में भारत के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 212 दिन की उम्र में 107 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के 2806वें मुकाबले में जयसूर्या ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उनकी पारी ने साबित किया कि उम्र बढ़ने के बावजूद बड़े शाट खेलने की क्षमता और आत्मविश्वास बरकरार रखा जा सकता है। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने भी उम्र के इस पड़ाव पर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। 27 फरवरी 2019 को सेंट जार्जेस में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 159 दिन की उम्र में 162 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के 4099वें मैच में गेल ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लिश गेंदबाजों को जमकर परेशान किया।

श्रीकांत ने अगरकर-गंभीर पर उठाए सवाल

अफगानिस्तान से हार के डर में फुल स्ट्रेंथ टीम चुनी

नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होने जा रही है। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज से पहले भारतीय टीम के चयन को लेकर पूर्व चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

उनका मानना है कि हाल में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद चयनकर्ताओं ने अफगानिस्तान के खिलाफ जोखिम नहीं लेने के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम चुनी है। भारत ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए अपनी मजबूत टीम घोषित की है। यही टीम आगामी एशियन गेम्स में भी हिस्सा लेने वाली है।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि आयरलैंड और इंग्लैंड में टी20 सीरीज हारने के बाद चयनकर्ताओं ने कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया। उनके मुताबिक अफगानिस्तान जैसी टीम के खिलाफ युवा खिलाड़ियों को मौका देकर भविष्य की टीम तैयार करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय पूरी ताकत वाली टीम चुनी गई। श्रीकांत ने इसे हताशा में लिया गया फैसला बताते हुए कहा कि टीम लगभग वैसी ही है, जैसी इंग्लैंड के खिलाफ चुनी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि युवा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर क्यों नहीं दिया गया। पूर्व चयनकर्ता ने जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर के चयन पर भी सवाल उठाए हैं। इन चारों खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें मैदान पर उतरने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा।

श्रीकांत ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अभी मैच फिटनेस साबित नहीं की है। उन्होंने सवाल किया कि केवल बेंगलुरु स्थित सेंटर आफ एक्सीलेंस में फिटनेस साबित करने के आधार पर उन्हें मैच के लिए फिट कैसे माना जा सकता है। उन्होंने हर्षित राणा का उदाहरण देते हुए कहा कि इंग्लैंड दौरे पर उनके साथ जो हुआ, उससे स्पष्ट है कि मैच फिटनेस का अलग महत्व है। श्रीकांत ने हालांकि खिलाड़ियों की क्षमता पर सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि हर्षित राणा टी20 क्रिकेट में अच्छे गेंदबाज हैं।

मिलान में इटेलियन ग्रांट प्री में अवार्ड प्राप्त करते हुए

मिलान में इटेलियन ग्रांट प्री में फ्रांस के पियरे गेसली पोल पोजिशन हासिल करने के बाद अवार्ड प्राप्त करते हुए।

पूरन-नरेन के दम पर टीकेआर की जीत, प्लेआफ की उम्मीदें कायम

बारबाडोस

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के 27वें मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 35 रन से हराकर प्लेआफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। केंसिंग्टन ओवल में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए टीकेआर ने कप्तान निकोलस पूरन की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में ट्राइडेंट्स की पूरी टीम 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई।

मुकाबले में बारबाडोस ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की शानदार पारी खेली। सलामी बल्लेबाज कालिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। कीरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन का योगदान दिया।

बारबाडोस की ओर से गुडाकेश मोती ने 3 विकेट लिए, जबकि मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट हासिल किया। 148 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की शुरुआत बेहद खराब रही। तीसरे ओवर में लगातार गेंदों पर ब्रैंडन किंग 16 रन और क्विंटन डी काक बिना खाता खोले आउट हो गए इसके बाद रिवाल्डो क्लार्क भी खाता नहीं खोल सके। कप्तान क्रिस ग्रीन 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पावरप्ले के भीतर ही बारबाडोस का स्कोर 35 रन पर 4 विकेट हो गया। इसके बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा और बारबाडोस की पूरी टीम 18.3 ओवर में 112 रन पर आलआउट हो गई। जैकरी कार्टर और शेरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। डेनियल सैम्स ने दो छक्कों की मदद से 14 गेंदों पर 17 रन बनाए, जबकि सद्रैक डेसकार्टेस ने 16 रन का योगदान दिया।

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की जीत में सुनील नरेन और जेड गूली की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। सुनील नरेन ने 3.3 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। जेड गूली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट हासिल किया।

पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर हरमनप्रीत ने खुशी जतायी, टीम मुकाबले में पूरी ताकत से उतरी थी

दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एशिया कप के ग्रुप ए के मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम को ये सफलता एकजुट होकर खेलने से मिली। भ्रारतीय टीम ने इस मुकाबले में पाक को सात विकेट से हराया था जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि हमने इस मैच में भी प्रकार की ढ़ील न देते हुए पूरी ताकत से प्रयास किया था।

इस मुकाबले में भारतीय स्पिनरों श्री चरणी, प्रेमा रावत, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाक महिला टीम को उसके अब तक के सबसे कम स्कोर 55 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद, भारतीय बल्लेबाजों ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को केवल तीन विकेट खोकर 8.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए बहुत अहम मुकाबला था। हम हमेशा आक्रामक रवैया अपनाने की बात करते हैं, और मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि सभी गेंदबाजों ने अपनी अेर से काफी अच्छा खेल दिखाया। हमले जो योजना बनाथी उसपर उन्होंने पूरी तरह से अमल किया और पिच के अनुसार गेंदबाजी की। इस जीत से

हरमनप्रीत ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने बतौर कप्तान अपना 150वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इस उपलब्धि के साथ ही वह पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में यह रिकार्ड बनाने वाली विश्व की पहली क्रिकेटर बन गई। अपनी उपलब्धि पर उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंच पाऊंगी। उम्मीद है कि मैं इसी तरह अच्छा प्रदर्शन जारी रखूंगी और टीम को आगे बढ़ाती रहूंगी। गौरतलब है कि भारतीय महिला टीम के 228 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से हरमनप्रीत 205 में शामिल रही हैं।

इस मैच में युवा स्पिनर श्री चरणी ने चार ओवर में केवल सात रन देकर तीन विकेट लेकर पाक बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गेंदबाजी कोच की सलाह को देते हुए कहा, मैं क्षेत्ररक्षण के अनुसार गेंदबाजी करना चाहती थी, जिससे गेंद पर ज्यादा प्रभाव डाल सकूं।

वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना अपनी टीम के खराब प्रदर्शन से निराश नजर आयीं पर उन्होंने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले को सही करार दिया। फातिमा ने कहा, हमारी बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही। विकेट नया था और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे, क्योंकि हमें अपनी गेंदबाजी पर भरोसा था।

भाजपा को हर जगह राहुल गांधी ही नजर आते हैं : गोपालदादा तिवारी

पुणे, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा की पुणे में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में राज्य और पुणे की समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस और राहुल गांधी को निशाना बनाए जाने पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि भाजपा को जल, थल और नभ हर जगह केवल राहुल गांधी ही नजर आ रहे हैं। युवाओं और छात्रों के बीच राहुल गांधी को मिल रहे बढ़ते समर्थन से भाजपा घबराई हुई है। तिवारी ने कहा कि भाजपा को विपक्ष पर बयानबाजी करने के बजाय सत्ता का राजधर्म निभाते हुए राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।गणेशोत्सव को लेकर उन्होंने सरकार से केवल घोषणाएं और विज्ञापन करने के बजाय इस वर्ष मराज्य महोत्सवफ के संबंध में शासनादेश जारी करने तथा आदर्श आचार संहिता, स्पीकर, वाद्य पथक, सार्वजनिक परिवहन और मेट्रो सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर स्पष्ट नीति और समय-सारणी घोषित करने की मांग की। महिला आरक्षण के मुद्दे पर तिवारी ने मुख्यमंत्री फडणवीस के कांग्रेस पर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि महिला आरक्षण कांग्रेस की पहल रही है। उन्होंने फडणवीस को इस मुद्दे पर किसी भी मंच पर बहस की चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन युवाओं के बढ़ते समर्थन के कारण उसके प्रयास विफल रहे हैं।

बियॉन्ड बैजेज में 25 पुलिस अधिकारी सम्मानित

बेंगलूरु, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की रक्षा के लिए समर्पित पुलिस अधिकारियों की बहादुरी, कर्तव्यनिष्ठा और निस्वार्थ सेवा को सम्मानित करने के उद्देश्य से एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन द्वारा शनिवार को बियॉन्ड बैजेज कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 25 पुलिस अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवाओं और समाज के प्रति योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस अधिकारियों को संस्था के स्कूल बैंड द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर, णमोकार मंत्र के पाठ, गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि डीसीपी लॉ एंड ऑर्डर डॉ. वंशीकृष्ण, विशेष अतिथि डीसीपी ट्रैफिक डॉ. गोपाल बयाकोड तथा सम्माननीय अतिथि सीए डॉ. डी.एस. विवेक सहित संस्था के पदाधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्था के अध्यक्ष चंपालाल भंडारी ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे समर्पित रहते हैं और उनकी सेवाओं का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है।

उन्होंने पुलिसकर्मियों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए एसएमजे ग्रुप में प्रवेश पर 15 प्रतिशत छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि संस्था पिछले 40 वर्षों से गैर-लाभकारी मॉडल पर शिक्षा के माध्यम से समाज सेवा कर रही है।

डीसीपी डॉ. वंशीकृष्ण और डॉ. गोपाल बयाकोड ने पुलिस एवं नागरिक समाज के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने की दिशा में संस्था की पहल की सराहना की।

पूर्व छात्र सीए डॉ. डी.एस. विवेक ने संस्था से अपने भावनात्मक जुड़ाव को साझा किया। प्रधानाचार्य फणी रमेश ने संस्था की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों के लिए ङ्गमहिलाओं के अधिकार, महिला सुरक्षा एवं पोक्सो अधिनियमफ विषय पर विशेष प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। समापन मल्हार बैंड की संगीत प्रस्तुति के साथ हुआ। उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने आभार व्यक्त किया।

आरक्षण नीति में सुधार पर विचार-विमर्श

बेंगलुरु, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के तत्वावधान में आरक्षण नीति सुधार मंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आरक्षण नीति को लेकर विभिन्न समाजों के प्रतिष्ठित एवं जागरूक लोगों को एक मंच पर लाना तथा समान अवसर, समान अधिकार और योग्यता के सम्मान की अवधारणा पर विचार-विमर्श करना रहा।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने आरक्षण व्यवस्था, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समानता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। अनिल सिंह सिकरवार ने कहा कि आरक्षण नीति में आर्थिक स्थिति और वास्तविक आवश्यकता को भी प्रमुखता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को, चाहे वे किसी भी समाज से संबंधित हों, शिक्षा, रोजगार और विकास के अवसरों में उचित सहायता मिलनी चाहिए।वक्ताओं ने कहा कि आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भावनाओं के बजाय तथ्य आधारित और स्वस्थ संवाद की आवश्यकता है। नीति निर्माण में सामाजिक न्याय के साथ समान अवसर, योग्यता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

कार्यक्रम में सुनील सिंह, अरुण दुबे, आशुतोष सिंह, अनिरुद्ध सिंह, संजय सिंह, के.एम. श्रीवास्तव, मोतीश, रोहित सिंह, गोपाल सिंह, विनीत, विकी सिंह, रोहन सिंह, निखिल सिंह, राहुल सिंह सहित विभिन्न समाजों के अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी ने आरक्षण नीति में सुधार और वास्तविक जरूरतमंदों तक अवसर एवं सहायता पहुंचाने पर अपने विचार साझा किए।आयोजकों ने कहा कि आरक्षण व्यवस्था में ऐसा संतुलन होना चाहिए, जिससे सामाजिक न्याय के साथ समान अवसर और योग्यता का सम्मान सुनिश्चित हो।

शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट मैरीज़ बेथनी कॉन्वेंट जूनियर कॉलेज एवं विद्यालय हाई स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के मार्गदर्शन, समर्पण एवं अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना था। इस अवसर पर 1 (टी) गर्ल्स बटालियन एनसीसी की मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल संगीता कुमारी उपस्थित रहीं। विद्यालय की प्रिंसिपल रेव. सिस्टर ब्रिगिट्टा, एंसेल सिस्टर एवं मदर सुपीरियर रेव. सिस्टर प्रकाश भी समारोह में मौजूद रहीं। एनसीसी के दो पीआई स्टाफ सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों का मन मोह लिया। एनसीसी कैडेट्स ने प्रभावशाली पिरामिड प्रदर्शन एवं पायलटिंग के माध्यम से अनुशासन, साहस और टीम भावना का परिचय दिया।

समारोह के दौरान विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किए गए। विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन और उत्साह ने कार्यक्रम को विशेष रूप से आकर्षक बनाया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल संगीता कुमारी के साथ सामूहिक फोटो लिया गया। इस अवसर पर समारोह ने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता के साथ विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन और एनसीसी की भावना का सुंदर संगम प्रस्तुत किया।

केबीआर पार्क में राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क (वाटर टैंक) पर रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं राहगीरों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। मनीषा अग्रवाल एवं सेठ नानूरामजी परिवार की ओर से रविवार के अन्नदान में विशेष रूप से जलेबी की सेवा कराई गई तथा समोसे भी वितरित किए गए। सेवा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद स्वरूप भोजन ग्रहण किया।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक अपनत्व और सेवा भावना पहुंचाने का माध्यम है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नदान सेवा का उद्देश्य समाज में परस्पर सहयोग, करुणा और मानवता की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी उपस्थित रहकर सेवा कार्य में सहयोग किया। सदस्यों ने कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही सेवा के इन कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जा सकता है।

विधानसभा परिसर में सरकारी सचेतक कार्यालय का उद्घाटन

पेद्दापल्ली, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य विधानसभा परिसर में नवनियुक्त सरकारी सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजयरमना राव को आवंटित आधिकारिक कार्यालय का रविवार को उद्घाटन किया गया। वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार के बीच विजयरामना राव ने कार्यालय का उद्घाटन किया।इस अवसर पर राज्य मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, राज्यसभा सदस्य वेम नरेंद्र रेड्डी, रामागुंडम विधायक मक्कन सिंह राज ठाकुर, मनकोंदुर विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण, एमएलसी थानिपर्थी भानु प्रसाद राव सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भरभराकर...

पुलिस और राहत-बचाव दल की टीमें लगातार मौके पर मौजूद हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी हादसे वाली जगह पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि 11 लोगों को बाहर निकाला गया, जबकि पांच लोगों की मौत हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे में जो भी दोषी होगा, चाहे वह मालिक हो, कोई अधिकारी हो या कोई अन्य व्यक्ति, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एम्स पहुंचकर घायलों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हादसे के पीछे जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, बेसमेंट में खुदाई के कारण एक पिलर खिसकने से पूरी इमारत ढह गई। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सभी बच्चों को बचाना है और हादसे में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी, शाह और राष्ट्रपति ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्य निकेतन हादसे पर दुख जताया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर दुख जताया। हादसे की सूचना मिलने के बाद उन्होंने अपना कार्यक्रम बीच में ही रुकवा दिया। अमित शाह गोवा में भाजपा के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह में पहुंचे थे। दिल्ली में इमारत गिरने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने कार्यक्रम बीच में रोक दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री, दिल्ली के पुलिस आयुक्त और एनडीआरएफ के महानिदेशक से बात कर जमीनी हालात का जायजा लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सत्य निकेतन हादसे पर दुख जताया।

आधुनिक उपकरणों से तलाश, 70 जवान मौके पर

बचाव कार्य में एनडीआरएफ की टीमें डायमंड चेन सॉ, मजबूत इन्फ्लेटेबल बैग और हाइड्रोलिक जैक जैसे शोरिंग उपकरणों का इस्तेमाल कर रही हैं। इसके अलावा कॉम्बी कटर, कटर और प्लाज्मा कटर जैसे उपकरणों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मलबे में फंसे लोगों का पता लगाने के लिए लाइफ डिटेक्टर और खोजी कुत्तों की मदद ली जा रही है।

एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर जनरल एनएस बुंदेला ने बताया कि फिलहाल एनडीआरएफ के 70 जवान मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। डॉग स्क्वाड भी मौके पर मौजूद है। मलबा हटाने के लिए कटिंग और तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

एक कमरे में कई छात्र रहते थे

सत्य निकेतन के आसपास रहने वाले छात्रों ने बताया कि इलाके के पीजी में एक कमरे में कई छात्र रहते हैं। छात्रों के मुताबिक, पीजी की एक मंजिल पर चार कमरे और करीब 10 बेड हैं। इमारत में दिल्ली विश्वविद्यालय के कई छात्र रह रहे थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने जताया दुख

दिल्ली विश्वविद्यालय ने भी सत्य निकेतन हादसे पर दुख जताया है। विश्वविद्यालय ने हादसे में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

राहुल गांधी ने बचाव दल से की अपील

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी हादसे पर चिंता जताई। उन्होंने एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस और सभी बचाव दलों से घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने की अपील की। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता मौके पर मौजूद हैं और हरसंभव मदद के लिए तैयार हैं।

दिल्ली भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि मामले में सरकार ने एक कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी हादसे के कारणों की जांच करेगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिधूड़ी के मुताबिक, इमारत के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। फिलहाल पुलिस, एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस और प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

शुद्ध...

हिंदू सभ्यता ने दुनिया को क्या दिया, खासकर मौजूदा कठिन दौर मेंइस सवाल पर भागवत ने कहा कि पूरा हिंदू विचार इस बात पर आधारित है कि अस्तित्व ही सत्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया में अनेक भिन्नताएं दिखाई देती हैं, लेकिन यह विविधता प्राकृतिक है। इसे स्वीकार करना और उसका सम्मान करना जरूरी है। उनके अनुसार, विविधता को देखते हुए यह समझना चाहिए कि यह सब एक ही अस्तित्व की अलग-अलग सजावट है। एक से अनेक बनते हैं और अनेक मिलकर एक हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि इसलिए सभी के साथ तालमेल बनाकर चलना ही समझदारी है, क्योंकि प्रकृति का नियम भी यही है। किसी को खुद से अलग नहीं समझना चाहिए। सभी मूल रूप से एक ही हैं और इसी सोच के साथ सभी से जुड़कर आगे बढ़ना चाहिए।

दुश्मनी छोड़ने से विवादों का समाधान आसान

टकराव खत्म करने का रास्ता बताते हुए भागवत ने कहा कि जब हम दुश्मनी की भावना छोड़ देते हैं तो विवादों को सुलझाना आसान हो जाता है। किसी दूसरे को दबाने या हराने की कोशिश करने के बजाय यह समझने की जरूरत है कि अंततः सभी मनुष्य समान चीजें ही चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं होना चाहिए कि दूसरे को कैसे हराया जाए, बल्कि यह होना चाहिए कि मिलकर उन लक्ष्यों को कैसे हासिल किया जाए।

शताब्दी वर्ष के दौरान लंदन दौरे पर भागवत

आरएसएस की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और संघ इस वर्ष अपनी स्थापना की शताब्दी मना रहा है। इसी क्रम में संघ की विदेशी गतिविधियों और संवाद का दायरा भी बढ़ रहा है। इसी सिलसिले में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत 2 से 7 सितंबर 2026 तक लंदन के दौरे पर हैं।

13-14 करोड़ ...

उन्होंने नाम हटाने के लिए जवाबदेही तय करने और आपराधिक जिम्मेदारी निर्धारित करने की भी बात कही। कुरैशी का कहना था कि प्रक्रियागत या नौकरशाही कारणों से किसी नागरिक का मौलिक अधिकार नहीं छीना जा सकता।

2002 की मतदाता सूची पर भी सवाल

एसआईआर के दौरान 2002 की मतदाता सूची से तुलना किए जाने पर भी कुरैशी ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 2002 की सूची में भी गलतियां हो सकती हैं और इसका इस्तेमाल केवल संदर्भ के लिए किया जा सकता है।

अपना उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके पिता का नाम भी 2002 की मतदाता सूची में गलत लिखा गया था। उन्होंने सवाल किया, ङ्गङ्गक्या यह बाइबल से आई थी? क्या 2002 की मतदाता सूची में कोई गलती नहीं थी?फ्फ

कुरैशी के मुताबिक, पुरानी मतदाता सूची को अंतिम और त्रुटिहीन दस्तावेज मानना उचित नहीं है। उन्होंने एसआईआर के तहत नाम हटाने की प्रक्रिया में अधिक सावधानी और जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर दिया।

इजरायल पर...

एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस से जुड़े इन गुटों द्वारा हाल में संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किए जाने का भी दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन अभ्यासों से विभिन्न गुटों के बीच ऑपरेशनल तालमेल पहले की तुलना में काफी मजबूत हुआ है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले के समय बाकी मोर्चे पूरी तरह तैयार नहीं थे। गाजा से मिले कथित गोपनीय दस्तावेजों से संकेत मिला था कि याह्या सिनवार लेबनान और सीरिया को भी युद्ध में खींचना चाहते थे, लेकिन हमले की तारीख और सटीक योजना की जानकारी ईरान तथा हिजबुल्लाह को पहले से नहीं थी।

इसी वजह से हिजबुल्लाह ने हमले के अगले दिन केवल सीमित गोलाबारी की और कोई बड़ा हमला नहीं किया। अब खुफिया रिपोर्टों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि ईरान अपनी उस कथित रणनीतिक कमी को दूर करने की कोशिश कर रहा है।

बताया जा रहा है कि नई योजना के तहत युद्ध शुरू होने के साथ ही इजरायल पर कई दिशाओं से जमीन और आसमान के रास्ते एक साथ बड़े पैमाने पर हमले किए जाएं, ताकि इजरायल के रक्षा तंत्र पर अधिकतम दबाव बनाया जा सके।

खलील अल-हय्या की भूमिका से बदला गठजोड़

सीरिया में बशर अल-असद सरकार के पतन और लेबनान में हिजबुल्लाह को हुए नुकसान के बाद ईरान के इस पूरे नेटवर्क में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। अब इस गठजोड़ में इराक के शिया मिलिशिया और यमन के हूती विद्रोहियों की भूमिका पहले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण बताई जा रही है।

दूसरी ओर, हमास की कमान अब खलील अल-हय्या के हाथों में है। वह मारे गए हमास नेता याह्या सिनवार के करीबी सहयोगियों में रहे हैं। खलील अल-हय्या के आने के बाद हमास और ईरान के रिश्ते पहले से अधिक मजबूत होने का दावा किया जा रहा है। वह लंबे समय से ईरान और हमास के बीच महत्वपूर्ण संपर्क सूत्र के रूप में भी देखे जाते रहे हैं।

इसी वजह से इजरायल के खिलाफ कथित चौतरफा हमले की योजना पर काम तेजी से आगे बढ़ने की बात कही जा रही है। इस संभावित खतरे को देखते हुए इजरायली सेना और खुफिया एजेंसी मोसाद पूरी तरह सतर्क बताई जा रही हैं।

हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संभावित हमले की योजना को लेकर उपलब्ध जानकारी मुख्य रूप से इजरायली मीडिया तथा खुफिया सूत्रों के हवाले पर आधारित है।

सीमाओं ...

उन्होंने कहा कि देश की संप्रभुता और सीमाओं को लेकर भारत का रुख पूरी तरह स्पष्ट है और इस मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता।

दुनिया में लंबे समय से इस्तेमाल किए जा रहे मर्केटर प्रक्षेपण वाले नक्शे में ध्रुवों के नजदीक स्थित देश अपने वास्तविक आकार से काफी बड़े दिखाई देते हैं। इसका कारण पृथ्वी की गोलाकार सतह को सपाट नक्शे पर दिखाने की तकनीकी प्रक्रिया है।

नए तरीके, जिसे समान क्षेत्रफल प्रक्षेपण कहा जाता है, में देशों के क्षेत्रफल को अधिक वास्तविक अनुपात में दिखाने का प्रयास किया जाता है। इसके कारण अफ्रीका जैसे महाद्वीप नक्शे पर पहले की तुलना में बड़े दिखाई दे सकते हैं, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका का आकार अपेक्षाकृत छोटा नजर आएगा। एशिया के कुछ हिस्सों के आकार में भी देखने के स्तर पर अंतर दिखाई दे सकता है।

भारत के क्षेत्रफल और सीमाओं पर कोई असर नहीं

नए नक्शे से भारत के क्षेत्रफल या अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। यह केवल दुनिया को नक्शे पर दिखाने के तरीके में बदलाव है। भारत की जमीन, सीमाएं और संप्रभुता पहले की तरह ही रहेंगी।

नए प्रक्षेपण में भारत का आकार देखने में कुछ अलग नजर आ सकता है, लेकिन इसमें कोई वास्तविक भौगोलिक बदलाव नहीं होगा। भारत भूमध्य रेखा के अपेक्षाकृत करीब स्थित होने के कारण मर्केटर नक्शे में ध्रुवीय क्षेत्रों के देशों की तुलना में अपने वास्तविक क्षेत्रफल से छोटा दिखाई दे सकता है। नए तरीके में देशों के क्षेत्रफल को अधिक संतुलित अनुपात में दिखाने का प्रयास किया जाएगा।

कनाडा और रूस जैसे देशों की तुलना में बदलेगा दृश्य अनुपात

नए नक्शे में कनाडा, रूस और यूरोप के कई देशों का आकार पुराने नक्शे की तुलना में अपेक्षाकृत छोटा दिखाई दे सकता है, जबकि भारत और अफ्रीका जैसे क्षेत्र अपने वास्तविक क्षेत्रफल के अधिक करीब नजर आएंगे।

हालांकि, यह बदलाव केवल नक्शे के प्रस्तुतीकरण से जुड़ा है। इससे न तो किसी देश की जमीन बढ़ेगी और न घटेगी। भारत ने इसी संदर्भ में स्पष्ट किया है कि नक्शे के स्वरूप में बदलाव को उसकी संप्रभुता अथवा सीमाओं से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

न बिकेगा...

वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को अधिक महत्वाकांक्षी एवं अत्याधुनिक अंतरिक्ष अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देना है। निजी क्षेत्र के बढ़ते योगदान के बीच इसरो अब अगली पीढ़ी की अंतरिक्ष तकनीकों और बड़े मिशनों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। इनमें वर्ष 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना, वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चांद पर उतारना, मंगल और शुक्र जैसे ग्रहों के लिए गहरे अंतरिक्ष अभियान तथा दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले प्रक्षेपण यान विकसित करना शामिल है।

8.4 अरब डॉलर से 44 अरब डॉलर तक पहुंचेगी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था

भारत की मौजूदा अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था करीब 8.4 अरब डॉलर की बताई जा रही है। इसे वर्ष 2033 तक बढ़ाकर 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इतना बड़ा बाजार केवल इसरो के मौजूदा संसाधनों के सहारे हासिल करना संभव नहीं होगा। इसके लिए निजी क्षेत्र और स्टार्ट-अप्स की भागीदारी को व्यापक स्तर पर बढ़ाना जरूरी है।

वर्ष 2020 में भारत में जहां अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े गिने-चुने स्टार्ट-अप्स ही सक्रिय थे, वहीं अब देश में 450 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स काम कर रहे हैं। इससे भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी के तेजी से विस्तार का संकेत मिलता है।

निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, सहयोगी बनेगा

सरकार की इस रणनीति का मूल उद्देश्य इसरो को कमजोर करना नहीं, बल्कि देश के पूरे अंतरिक्ष तंत्र को मजबूत करना है। निजी क्षेत्र नियमित और व्यावसायिक गतिविधियों में अधिक भूमिका निभाएगा, जबकि इसरो अत्याधुनिक तकनीक, अनुसंधान, मानव अंतरिक्ष उड़ान, गहरे अंतरिक्ष अभियानों और भविष्य की महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा।

वहीं, महत्वपूर्ण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील अंतरिक्ष अभियानों की कमान सरकार और इसरो के हाथों में ही रहेगी। ऐसे में निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी को इसरो के निजीकरण के रूप में देखना सही नहीं है। इसका उद्देश्य सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी और निजी उद्योग के बीच तालमेल बढ़ाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करना है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दुनिया भर में तेरापंथ दुर्लभ धर्मसंघ, गर्व के साथ जिम्मेदारी निभाना जरूरी : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी के सानिध्य में ङ्कमेरा तेरापंथ, मेरा गर्व, मेरी जिम्मेदारीफ विषयक विशेष प्रवचन एवं विहार सेवा के संदर्भ में ङ्कसेवार्थी सम्मानफ समारोह का भव्य आयोजन तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता की।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने अपने उद्बोधन में कहा, ङ्कङ्कदुनिया भर के धर्मसंघों पर नजर डालें तो तेरापंथ धर्मसंघ हमें दुर्लभ नजर आता है।फफ उन्होंने कहा कि आज का विषय किसी पुरानी बौद्धिक सोच का ज्ञान मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी, हमारी पहचान और हमारी आत्मा से जुड़ा हुआ विषय है ङ्कमेरा तेरापंथ, मेरा गर्व, मेरी जिम्मेदारी।फ

मुनिश्री ने कहा कि मेरा तेरापंथ हमारी पहचान और हमारी विरासत है। आचार्यश्री भिक्षु की क्रांति का सुफल तेरापंथ है। ङ्कङ्कमेरा तेरापंथफफ कहने में अपनत्व का भाव है। यह हमारी नींव है, हमारी रगों में दौड़ता हुआ जुनून है और हमारी आत्मा की हुंकार है। जब हम तेरापंथी होने पर गर्व करते हैं तो वह अहंकार नहीं, बल्कि हमारे संस्कार हैं।

उन्होंने तेरापंथ की संगठनात्मक एकता और अनुशासन की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज जहां हर क्षेत्र में पद और प्रतिष्ठा की दौड़ दिखाई देती है, वहीं तेरापंथ में एक आचार्य के नेतृत्व में साधु-साध्वी तथा श्रावक-श्राविका एक दिशा में आगे बढ़ने के लिए तत्पर रहते हैं। आचार्यश्री के एक संकेत पर पूरा धर्मसंघ एकजुट होकर कार्य करने की भावना रखता है। यह अद्भुत एकता ही तेरापंथ के गौरव का प्रमुख कारण है।

मुनिश्री ने कहा कि हमारे आचार्यप्रवर संघ के लिए कितना श्रम करते हैं, यह हम सभी के लिए प्रेरणा का विषय है। आचार्यश्री महाश्रमणजी संघ के विकास, प्रभावना और आध्यात्मिक उन्नति के लिए निरंतर श्रमरत हैं। ऐसे गुरु और ऐसा अनुशासित धर्मसंघ मिलना अपने आप में गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि गर्व करना आसान है, लेकिन उस गर्व को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। हमें केवल तेरापंथ की गौरवगाथा सुननी या सुनानी ही नहीं है, बल्कि अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अपने जीवन से उस गौरवगाथा को लिखना है। तेरापंथ की प्रतिष्ठा और प्रभावना केवल कुछ लोगों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे धर्मसंघ की सामूहिक जिम्मेदारी है।

चारों तीर्थों की भूमिका महत्वपूर्ण

मुनिश्री ने चारों तीर्थों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि धर्मसंघ के विकास में साधु-साध्वी के साथ-साथ श्रावक-श्राविकाओं की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। चारों तीर्थ जब अपने-अपने दायित्व को समझकर समर्पण एवं सेवा की भावना से आगे बढ़ते हैं, तब धर्मसंघ और अधिक सशक्त बनता है।

उन्होंने कहा कि हमारे श्रावक समाज ने अतीत में भी धर्मसंघ के लिए अनेक सेवाएं की हैं और वर्तमान में भी निरंतर अपनी सेवाएं दे रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी की यह भावना आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे। मुनिश्री ने विषय की विस्तारपूर्वक विवेचना करते हुए श्रावक समाज को धर्मसंघ की सेवा, संघीय गतिविधियों में सहभागिता तथा तेरापंथ की प्रभावना में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रेरणादायी संबोधन से उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं में अपने धर्मसंघ के प्रति गौरव, अपनत्व एवं जिम्मेदारी की भावना और अधिक प्रबल हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की बहनों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ।

विहार सेवार्थियों का किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा ङ्कसेवार्थी सम्मानफ समारोह भी आयोजित किया गया। विहार के दौरान मार्ग में सेवा करने वाले सेवार्थियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें ङ्कसेवा के सितारेफ एवं ङ्कसेवा के प्रहरीफ के रूप में सम्मानित किया गया।

विहार सेवा के दौरान मार्ग व्यवस्था, आवश्यक सहयोग एवं विभिन्न प्रकार से सेवा प्रदान करने वाले सेवा सहयोगियों को स्मृति-चिह्न एवं दुपट्टा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सभा अध्यक्ष श्री सुशील संचेती, मंत्री श्री हेमंत संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद दुगड़, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष श्री ऋषभ लुनिया, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री राजेंद्र बोथरा, जैन तेरापंथ वेल्फेयर सोसाइटी के चेयरमैन श्री बाबुलाल बैद आदि गणमान्य व्यक्तियों ने सेवार्थियों का सम्मान किया।

इन सेवार्थियों का हुआ सम्मान

सम्मान पाने वालों में संपतमल गोलछा, आसकरण सेठिया, जयसिंह दुगड़, प्रेमसुख बेंगानी, प्रमोद भंडारी, प्रिंस दुगड़, महावीर दक, राजकुमार बोकड़िया, संपतमल नौलखा, सुदीप नौलखा, निर्मल बैंगानी, राजकुमार गुजरानी, प्रकाश दफ्तरी, अजय श्यामसुखा, अरुण संचेती, अशोक बम्बोली, अशोक मेड़तवाल, अशोक सेठिया, उमेद घीया, उमेद नाहटा, ऋषभ चिंडालिया, कपूर चन्द कोठारी, केवलचंद लुणावत, कमल कोठारी, कमल बिरमेचा, कमल संचेती, किशोर बैद, खुशाल भंसाली, जिनेन्द्र बैद, जय पींचा, तिलोक चन्द सीपानी, दुर्गालाल संचेती, नमन बोहरा, नारायण कोठारी, नवनीत डागा, पंकज संचेती, प्रकाश नाहटा, बच्छराज श्यामसुखा, भीकम चन्द बैद, मूलचन्द गोलछा, महेन्द्र दुगड़, महेन्द्र सुराणा, राकेश धाडेवा, राकेश सुराणा, राजेंद्र बैद, राजेश गेलड़ा, राजेश भूतोड़िया, रायचन्द राखेचा, रमेश संचेती, रिद्धकरन सुराणा, विक्रम लुणावत, हेमंत संचेती, हुकमचंद कोटेचा, श्रीमती अंजू बैद, श्रीमती चाँद बैद, श्रीमती पानी देवी गोलछा, श्रीमती प्रभा खटेड़, श्रीमती पुष्पा बरड़िया, श्रीमती मंजू कोठारी, श्रीमती राजश्री श्यामसुखा, श्रीमती समता डोशी, श्रीमती सुनीता बम्बोली, श्रीमती सुशीला संचेती, श्रीमती सूरज सुराणा एवं श्रीमती विमला देवी भरुंट शामिल रहे।

सेवा से मजबूत होती है संघीय एकता

सम्मान समारोह के माध्यम से सेवा के प्रति समर्पित लोगों के योगदान को सराहा गया। साथ ही यह संदेश दिया गया कि धर्मसंघ की यात्रा में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सेवा देने वाला प्रत्येक व्यक्ति महत्वपूर्ण है। सेवा की भावना ही संघीय एकता और संगठन की शक्ति को और अधिक मजबूत बनाती है।

कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन तेरापंथी महासभा के प्रभारी लक्ष्मीपतजी बैद ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद की पूरी टीम एवं सहयोगी संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर में आयोजित की गई। बैठक में कमिटी के वाइस चेयरमैन गोपाल अग्रवाल, सुनील मोदी, रानी मित्तल एवं शीतल रुंगटा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।बैठक के दौरान विवाह योग्य बालक-बालिकाओं के कई अभिभावकों ने अपने बच्चों के बायोडाटा कमिटी के समक्ष जमा किए। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त रिश्ते उपलब्ध कराने तथा समाज के परिवारों को आपस में जोड़ने के उद्देश्य से मैरेज डेटा कमिटी की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की।कमिटी की ओर से अभिभावकों से आग्रह किया गया कि वे विवाह योग्य युवक-युवतियों के सही एवं पूर्ण विवरण के साथ बायोडाटा जमा कराएं, ताकि योग्य रिश्तों के चयन में सुविधा हो सके।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन के तत्वावधान में अन्नसेवा कार्यक्रम आयोजित

हर दूसरे रविवार 300 स्थानीय निवासियों को भोजन वितरण का संकल्प

सेवाभावी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का प्रयास

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल केयर फाउंडेशन के तत्वावधान में रामबाग, अट्टापुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फाउंडेशन की ओर से हर दूसरे रविवार दोपहर 1 से 2 बजे तक लगभग 300 स्थानीय निवासियों को भोजन वितरित किया जाता है।

प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मनीष अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्नसेवा का उद्देश्य जरूरतमंद एवं वंचित लोगों तक भोजन पहुंचाना तथा समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा नियमित रूप से इस सेवा गतिविधि को संचालित किया जा रहा है।

सेवाभावी सदस्यों ने निभाई सक्रिय भूमिका

आज आयोजित अन्नसेवा कार्यक्रम में ओम प्रकाश जी अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुनील सांघी, राजेश शर्मा, वेंकट अग्रवाल, वासु अग्रवाल, आल-ोक शर्मा, संजय भालवाले, संजय गुप्ता, लाठी, लोकेश पित्ती, गोविंदराजा अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, करुणापति सहित अनेक सेवाभावी सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

फाउंडेशन की ओर से सभी सेवाभावी सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया गया। संस्था ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार की सेवा गतिविधियों को निरंतर जारी रखते हुए अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जाएगी।

फाउंडेशन की ओर से संदेश दिया गया कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म हैआइए, मिलकर किसी के चेहरे पर मुस्कान लाएं।

पावर ग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-1 ने जीता अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट 2026 का खिताब

फाइनल में दक्षिणी क्षेत्र-2 को 38-34 से हराकर चैंपियन बना मेजबान दल

12 टीमों के 144 कर्मचारी खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, तीन दिवसीय प्रतियोगिता में दिखा शानदार खेल कौशल

अमन ठाकुर सर्वश्रेष्ठ रेडर, क्लेरेक्स सर्वश्रेष्ठ कैचर और लवन कुमार सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुने गए

हैदराबाद, 6 सितंबर 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन महारत्न सार्वजनिक उपक्रम पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित पावर ग्रिड अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट-2026 का सफल समापन हैदराबाद के मोइनाबाद स्थित फायरफॉक्स स्पोर्ट्स एंड रिसॉर्ट्स में हुआ। 4 से 6 सितंबर 2026 तक आयोजित इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी पावर ग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-1 ने की। प्रतियोगिता में देशभर से आए कर्मचारी खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उत्कृष्ट खेल भावना तथा प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रदर्शन किया।

12 टीमों के 144 कर्मचारी खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

टूर्नामेंट का उद्घाटन पावर ग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-1 के कार्यपालक निदेशक श्री दोमन यादव ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री अरुण कुमार तथा तेलंगाना कबड्डी एसोसिएशन के संयुक्त सचिव श्री बी. श्रवण कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

तेलंगाना कबड्डी एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में पावर ग्रिड के कॉर्पोरेट केंद्र तथा विभिन्न क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों की कुल 12 टीमों के 144 कर्मचारी खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान जोश, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया।

लीग चरण के रोमांचक मुकाबलों के बाद पूल-ए से उत्तरी क्षेत्र-3 तथा कॉर्पोरेट केंद्र ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि पूल-बी से दक्षिणी क्षेत्र-1 एवं दक्षिणी क्षेत्र-2 ने अंतिम चार में अपनी जगह बनाई।

सेमीफाइनल में रोमांचक मुकाबले

नॉकआउट चरण के पहले सेमीफाइनल में दक्षिणी क्षेत्र-2 ने उत्तरी क्षेत्र-3 को 39-31 के अंतर से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिणी क्षेत्र-1 ने कॉर्पोरेट केंद्र को बेहद रोमांचक मुकाबले में 42-41 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मेजबान दक्षिणी क्षेत्र-1 और दक्षिणी क्षेत्र-2 के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अंततः दक्षिणी क्षेत्र-1 ने 38-34 के स्कोर से शानदार जीत दर्ज करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। खिलाड़ियों और दर्शकों की जोरदार तालियों के बीच दक्षिणी क्षेत्र-1 की टीम ने विजेता ट्रॉफी हासिल की।

अंतिम रैंकिंग

प्रथम स्थान (चैंपियन): दक्षिणी क्षेत्र-1
द्वितीय स्थान (उपविजेता): दक्षिणी क्षेत्र-2
तृतीय स्थान: कॉर्पोरेट केंद्र
चतुर्थ स्थान: उत्तरी क्षेत्र-3

व्यक्तिगत पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ रेडर: अमन ठाकुर ` कॉर्पोरेट केंद्र
सर्वश्रेष्ठ कैचर: क्लेरेक्स ` दक्षिणी क्षेत्र-2
सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर: लवन कुमार ` दक्षिणी क्षेत्र-1

खेल टीमवर्क, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का माध्यम : दोमन यादव

इस अवसर पर पावर ग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-1 के कार्यपालक निदेशक श्री दोमन यादव ने सभी प्रतिभागी टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल टीमवर्क, अनुशासन, धैर्य और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों की खेल भावना, समर्पण और प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ये गुण पावर ग्रिड के उत्कृष्टता, सहयोग और दृढ़ संकल्प जैसे मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हैं।

कर्मचारी कल्याण और खेल संस्कृति को बढ़ावा

अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट के सफल आयोजन ने कर्मचारी कल्याण, शारीरिक फिटनेस, आपसी सौहार्द तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति पावर ग्रिड की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए कर्मचारी खिलाड़ियों को एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के साथ ही आपसी संवाद और सौहार्द बढ़ाने का अवसर भी मिला।

अनीता नथानी ने कहाराधे राधे ग्रुप की निरंतर सेवा ईश्वरीय कृपा का परिणाम

हैदराबाद। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265 ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक अल्पाहार वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनीता नथानी ने कहा कि राधा रानी की असीम अनुकम्पा से ही राधे राधे ग्रुप का सेवा कार्य निरंतर और निर्विघ्न रूप से संचालित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि घर में एक-दो दिन के धार्मिक या सामाजिक आयोजन में भी छोटे-मोटे विवाद हो जाते हैं, लेकिन राधे राधे ग्रुप द्वारा हैदराबाद में तीन स्थानों पर हजारों लोगों को पूरे वर्ष निरंतर अल्पाहार उपलब्ध कराना कोई मामूली कार्य नहीं है। यह सब ईश्वर के आशीर्वाद, आपसी प्रेम, एकजुटता और सेवा भावना से ही संभव हो पा रहा है।

अनीता नथानी ने कहा कि सेवा कार्य में निरंतरता बनाए रखना अपने आप में बड़ी बात है। राधे राधे ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। सामूहिक सेवा की यह भावना समाज में मानवता, अपनत्व और परस्पर सहयोग का संदेश देती है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, दत्ता, गोपाल गोयल, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सोहन लाल दायमा, शुचि गुप्ता सहित राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के माध्यम से सेवा की यह श्रृंखला निरंतर जारी है।

मानसून सत्र आज से, केसीआर ने बनाई दूरी

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के 1,000 दिनों के शासन के दौरान कल्याणकारी और विकासात्मक पहल, पंजीकरण अधिनियम की धारा 22ए के तहत निषिद्ध सूची में निजी संपत्तियों को शामिल करने पर राजस्व विभाग की गड़बड़ी और अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र में हावी रहने की संभावना है।

यह सत्र कम अवधि का होगा, हालांकि दिनों की संख्या और निपटाए जाने वाले कार्यों का निर्णय बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में किया जाएगा। इस सत्र में भी बीआरएस प्रमुख और विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनकी पार्टी ने घोषणा की है कि वह सत्र में भाग नहीं लेंगे। बीआरएस की यह घोषणा उस दिन आई जब कांग्रेस ने विपक्ष के नेता के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहने के लिए चंद्रशेखर राव के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को इंदिरा पार्क के धरना चौक पर महाधरना आयोजित किया था।

हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और कांग्रेस आलाकमान द्वारा उन पर जताए गए नए विश्वास, जो कि कैबिनेट से बंदोबस्ती और वन मंत्री कोंडा सुरेखा को हटाए जाने में झलकता है, से ताकत हासिल करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सत्र के दौरान दोहरी रणनीति को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाएंगे 0 सरकार की पहलों को उजागर करना और चंद्रशेखर राव पर हमला करना, जिसे उन्होंने विधानसभा से भागना कहा है।

22ए सूची विवाद पर बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

रविवार को सत्तारूढ़ दल और बीआरएस दोनों में भारी राजनीतिक हलचल रही। मुख्यमंत्री ने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, वरिष्ठ विभाग अधिकारियों और हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी तथा संगारेड्डी जिलों के कलेक्टरों के साथ अत्यधिक विवादास्पद 22ए समावेशन पर एक मैराथन बैठक की। बीआरएस और भाजपा द्वारा इस मुद्दे पर सरकार, विशेष रूप से राजस्व मंत्री के खिलाफ तीखा हमला करने की उम्मीद है।

सेक्शन 22ए के खिलाफ भाजपा का महाधरना

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सेक्शन 22ए के तहत निजी जमीनों को प्रतिबंधित सूची में शामिल किए जाने के विरोध में भाजपा ने धरना चौक पर महाधरना आयोजित किया। इसमें भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार मध्यमवर्गीय परिवारों, गरीबों और किसानों की निजी जमीनों को सेक्शन 22ए में शामिल कर उनके अधिकारों को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित सूची में शामिल सभी जमीनों की तत्काल समीक्षा कर पात्र संपत्तियों को सूची से हटाया जाना चाहिए।

हरप्रीत सिंह गुलाटी, जसपाल सिंह टूटेजा और मुकेश चौहान ने भी सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि हाइड्रा, क्यूआरई और सेक्शन 22ए के कारण लोगों में जमीनों को लेकर भय और अनिश्चितता का माहौल है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के संपत्ति संबंधी अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

भाजपा नेताओं ने कहा कि सेक्शन 22ए के तहत शामिल की गई सभी संपत्तियों की निष्पक्ष समीक्षा कर पात्र जमीनों को प्रतिबंधित सूची से तत्काल बाहर किया जाना चाहिए।

टीपीएफ हैदराबाद की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण आयोजित

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमार जी एवं मुनिश्री काव्य कुमार जी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), हैदराबाद की नवीन कार्यकारिणी 2026-27 का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ।

इससे पूर्व मेरा तेरापंथ0मेरा गर्व, मेरी जिम्मेदारी विषय पर विशेष प्रवचन हुआ। मुनिश्री दीप कुमार जी ने तेरापंथ धर्मसंघ के इतिहास, सिद्धांतों तथा श्रावकों के कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तेरापंथ के प्रति गर्व के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना आवश्यक है।

नवीन कार्यकारिणी में श्री ऋषभ जी लुनिया को अध्यक्ष बनाया गया। सुनील जी पगारिया, अणुव्रत जी सुराणा, राहुल जी बैद एवं वर्षा जी बैद उपाध्यक्ष, निखिल जी कोटेचा मंत्री, अनुष जी बम्बोली एवं सुमित जी बेद सहमंत्री तथा दीक्षा जी सुराणा कोषाध्यक्ष नियुक्त की गईं। अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की।

पूर्व अध्यक्ष विरेंद्र जी घोषल ने अपने कार्यकाल का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि टीपीएफ हैदराबाद ने राष्ट्रीय स्तर पर पांच पुरस्कार प्राप्त किए। हैदराबाद से पांच सदस्यों को राष्ट्रीय टीम में भी जिम्मेदारियां दी गईं।

कार्यक्रम में टीपीएफ ने वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट सक्षम सीनियर्स की घोषणा की। साथ ही 11 हजार से अधिक पेशेवरों के राष्ट्रीय नेटवर्क से नए सदस्यों को जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान शुरू किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

सेवा कार्य से समाज में मानवता की भावना मजबूत होती है : दीपचंद अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों एवं राहगीरों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में सेवा कार्य के प्रति सदस्यों का उत्साह देखते ही बना।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए दीपचंद अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। अन्नदान को भारतीय संस्कृति में श्रेष्ठ सेवा माना गया है। जब किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन मिलता है तो उसके चेहरे पर आने वाली संतुष्टि और खुशी सेवा करने वालों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज में मानवता, करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा का कार्य केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और जरूरतमंदों के साथ खड़े होने का माध्यम है। उन्होंने सभी लोगों से अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अनिल धरसुवाले अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से नियमित रूप से जरूरतमंदों के लिए अन्नदान सहित विभिन्न सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

एनकेएस समूह ने 31वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

गणेश-लक्ष्मी पूजा, सत्यनारायण व्रत कथा व हवन के साथ हुआ आयोजन

अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर किया सम्मान, अनाथ आश्रम में बच्चों को कराया रात्रि भोजन

हैदराबाद, 06 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज, न्यू हरियाणा फ्रेट कैरियर्स, स्पीडस्टर ट्रांस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एनएचएफसी लॉजिस्टिक्स, एनकेएस ट्रांस सॉल्यूशंस एवं एनकेएस इंफ्रा डेवलपर्स का 31वां स्थापना दिवस रविवार को वनस्थलीपुरम स्थित एनकेएस समूह के कार्यालय ङ्गएनकेएस प्राइडफ, नरसिम्हा राव नगर कॉलोनी में बड़े धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सर्वप्रथम गणेश-लक्ष्मी पूजा, श्री बालाजी पूजा, सत्यनारायण व्रत कथा, हवन एवं आरती का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान पं. सुखेंद्र शास्त्री द्वारा संपन्न कराया गया। इस दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ सहभागिता की।

विशिष्ट अतिथियों का किया सम्मान

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पी. कासी रेड्डी, सहायक पुलिस आयुक्त, वनस्थलीपुरम उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में श्री गोविंद राठी, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं उपाध्यक्ष, एपी महेश बैंक; डी. श्रवण कुमार, बीआरएस नेता; चुक्का बाबा यादव, 40वीं हाईकोर्ट कॉलोनी के कांग्रेस डिवीजन अध्यक्ष; भारत मानसिंह, गजानंद चौधरी, विष्णु यादव, गोविंद राजू, श्री राजेंद्र एवं सुनील सोलंकी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर एनकेएस ग्रुप के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन.के. सिंह ने सभी अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इसके पश्चात सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के लिए प्रसाद एवं भोजन की व्यवस्था की गई।

अनाथ आश्रम में बच्चों को कराया रात्रि भोजन

स्थापना दिवस के अवसर पर कंपनी की ओर से सेवा कार्य भी किया गया। शाम 6:30 बजे साहेब नगर स्थित शांति निकेतन अनाथ आश्रम में मानसिक रूप से परेशान बच्चों के लिए रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य के माध्यम से संस्था ने सामाजिक जिम्मेदारी एवं मानव सेवा का संदेश दिया।

इस शुभ अवसर पर श्रीमती मालती देवी, निदेशक नंदकिशोर सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, निदेशक अमरजीत सिंह, श्रीमती नेहा सिंह, आशुतोष सिंह, श्रीमती शीतल सिंह, ज्योति, सूर्यांश, गायत्री, लक्षजीत, छवि, ध्रुवी, देवयांशी सहित कंपनी के कर्मचारी पी. सुरेश एवं राजेंद्र तिवारी उपस्थित रहे।

समारोह धार्मिक आस्था, पारिवारिक सहभागिता, अतिथि सम्मान एवं सामाजिक सेवा के भाव के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.